मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 325
सोमवार, 15 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

फ्रांस में बोले पीएम मोदी-भारत अब दुनिया को दे रहा समाधान

फ्रांस, 14 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच रविवार को फ्रांस के नीस शहर में गर्मजोशी भरी मुलाकात हुई। राष्ट्रपति मैक्रों ने गले लगाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम भारत, फ्रांस और दुनिया के अन्य देशों के प्रमुख स्टार्टअप्स, निवेशकों और वेंचर कैपिटल फंड्स को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया में कई देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारी करते हैं, लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो केवल हितों से नहीं, बल्कि साझा दृष्टिकोण और साझा मूल्यों से संचालित होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का संबंध भी ऐसा ही है, जिसमें विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य और भविष्य के लिए साझा दृष्टि शामिल है। मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने पिछले वर्षों में मिलकर कई नई पहलें शुरू की हैं और वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, भारत और फ्रांस हमेशा साथ चले हैं और हमें खुशी है कि भारत इनोवेट्स जैसी महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत भी हम फ्रांस के साथ कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने मित्र इमैनुएल मैक्रों के इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद देते हैं।

यह टिप्पणी दोनों नेताओं के बीच मजबूत व्यक्तिगत और कूटनीतिक संबंधों को भी दशार्ती है। मोदी ने कहा कि आज भारत का युवा केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि समस्याओं का समाधान खोजने वाला बन चुका है।

क्योंकि 'इनोवेशन भारत के DNA में है इसलिए अब यह दुनिया को समाधान दे रहा है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी मानवता के हित में नवाचार कर रही है और विश्वस्तरीय समाधान विकसित कर रही है। भारत इनोवेट्स ऐसा मंच है जो भारतीय युवाओं की प्रतिभा को वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का भारत परिवर्तन के एक बड़े दौर से गुजर रहा है और देश में स्टार्टअप क्रांति चल रही है। उनके अनुसार, भारत इनोवेट्स भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच एक मजबूत सेतु का काम करेगा। यह ऐसा मंच है जहां भारतीय युवाओं को यूरोप की विशेषज्ञता, निवेश और वैश्विक अवसरों से जुड़ने का मौका मिलेगा। भारत इनोवेट्स केवल एक स्टार्टअप सम्मेलन नहीं, बल्कि भारत-फ्रांस संबंधों के नए युग का प्रतीक है। यह पहल कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीप-टेक, अंतरिक्ष, रक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु समाधान जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को और मजबूत करेगी।

जेपी नड्डा ने साधा कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 14 जून। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि वह केंद्र से मिली बड़ी मदद को विकास कार्यों में बदलने में नाकाम रही है। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर और औद्योगिक प्रोजेक्ट्स में देरी के लिए प्रशासनिक अक्षमता और दूरदर्शिता की कमी को जिम्मेदार ठहराया। शिमला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए नड्डा ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य को हर संभव मदद दी है, लेकिन राज्य प्रशासन ने इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल नहीं किया है।

उन्होंने मोदी के कार्यकाल के दौरान BJP के नेतृत्व वाली NDA सरकार की उपलब्धियों पर जोर दिया और बताया कि हिमाचल प्रदेश की जनता ने लगातार तीन आम चुनावों में सभी चार लोकसभा सीटों पर BJP उम्मीदवारों को चुनकर पार्टी के विकास के नजरिए पर अपनी मुहर लगाई है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों के नतीजों का ज़िक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि ये नतीजे राज्य में कांग्रेस सरकार के प्रति जनता की बढ़ती नाराजगी को दशार्ते हैं।

नड्डा ने हिमाचल प्रदेश को केंद्र से मिलने वाली आर्थिक मदद के बारे में विस्तार से बताया। इसमें स्पेशल असिस्टेंस स्कीम के तहत 2,381 करोड़ रुपये, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड से 2,006 करोड़ रुपये और 2024-25 के दौरान बाहरी मदद वाले प्रोजेक्ट्स के लिए 2,150 करोड़ रुपये शामिल हैं। उन्होंने 40,000 करोड़ रुपये से ज्यादा लागत वाले नेशनल हाईवे और 2,911 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड फंड से चल रहे रेलवे प्रोजेक्ट्स जैसे कामों का भी ज़िक्र किया।

हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में बात करते हुए नड्डा ने आरोप लगाया कि काफी फंड मिलने के बावजूद, राज्य सरकार प्रोजेक्ट्स को ठीक से आगे नहीं बढ़ा पाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत मंजूर किए गए पंद्रह क्रिटिकल केयर ब्लॉक में से सिर्फ. एक ही पूरा हो पाया है। इसी तरह, बारह इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेटरी में से सिर्फ. एक ही चालू है, और मंजूर की गई 73 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट में से एक भी पूरी नहीं हुई है।

राजेश प्रजापति के नेतृत्व में राहुल गांधी से मिला प्रजापति समाज का राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, 14 जून (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज का एक राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल भारतीय संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से उनके नई दिल्ली स्थित अकबर रोड आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन (पीसीएसएफ) के अध्यक्ष राजेश प्रजापति (मुंबई) के नेतृत्व में पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल में देश के 13 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी को देशभर में प्रजापति समाज की सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया तथा समाज की राजनीतिक भागीदारी, प्रतिनिधित्व और सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। एक घंटे से अधिक समय तक चली यह बैठक सौहार्दपूर्ण, सकारात्मक एवं रचनात्मक वातावरण में संपन्न हुई।

राहुल गांधी ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुना और समाज के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रतिनिधियों से समय-समय पर संपर्क में रहने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रजापति समाज की राजनीतिक भागीदारी और समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए निरंतर संवाद एवं सहयोग आवश्यक है। राहुल गांधी ने यह भी आश्वासन दिया कि वे भविष्य में भी समाज के मुद्दों और अपेक्षाओं को सुनते रहेंगे तथा उन पर सकारात्मक विचार करेंगे। प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी द्वारा दिए गए समय, आत्मीयता और सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए उनका आभार व्यक्त किया तथा समाज के हितों और अधिकारों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आगे भी निरंतर संवाद बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेसः आग के डर से भागे यात्री, दूसरी ट्रेन ने रौंदा, 6 की मौत

मुरैना, 14 जून। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में हेतमपुर और घेर रेलवे स्टेशनों के बीच रविवार शाम को एक बेहद दर्दनाक और बड़ा रेल हादसा हो गया। शुरूआती जानकारी के अनुसार, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के डिब्बे में आग लगने की अफवाह फैल गई थी। इस अफवाह के बाद ट्रेन के भीतर यात्रियों में भारी घबराहट और अफरातफरी मच गई। अपनी जान बचाने के लिए यात्रियों ने तुरंत चेन पुलिंग खींचकर ट्रेन को बीच रास्ते में ही रोक दिया।

जैसे ही ट्रेन रुकी, घबराए हुए कई यात्री कोच के दरवाजे खोलकर नीचे रेलवे ट्रैक पर कूद गए और पटरी पर भागने लगे। इसी दौरान, विपरीत दिशा (धौलपुर की ओर) से दूसरी लाइन पर तेज रफ्तार पातालकोट एक्सप्रेस वहां आ पहुंची। ट्रैक पर मौजूद यात्रियों को संभलने का मौका भी नहीं मिला और कई लोग इस दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए।

इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं और एक मासूम बच्चे समेत कुल छह लोगों की मौके पर ही मौत होने की दुखद खबर है। इसके अलावा कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और स्थानीय पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हालांकि, मृतकों और घायलों के सटीक आंकड़ों को लेकर अभी प्रशासन की तरफ से आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ग्वालियर से मुरैना की तरफ आगे बढ़ रही थी, तभी किसी यात्री ने डिब्बे में आग लगने की बात कह दी। इस एक गलत अफवाह के कारण पूरी बोगी में भगदड़ मच गई, जिसने अंत में एक बड़े और दर्दनाक हादसे का रूप ले लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आखिर आग लगने की अफवाह किसने और क्यों फैलाई थी।

श्रद्धालुओं से भरी पिक अप वैन कुएं में गिरी, 9 की दर्दनाक मौत

पंढरपुर, 14 जून। महाराष्ट्र के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पंढरपुर के पास रविवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में कई महिलाओं और बच्चों सहित नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। पुलिस महानिदेशक कार्यालय के सूत्रों ने रविवार को इस घटना की पुष्टि की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा म्हसवड-पंढरपुर मार्ग पर उस समय हुआ जब सिद्धनाथ के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा एक तेज रफ्तार टेंपो अचानक अनियंत्रित हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वाहन में क्षमता से अधिक लोग सवार थे और संतुलन बिगड़ने के कारण वह सड़क किनारे एक कुएं में जा गिरा और पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

हादसे में घायल हुए यात्रियों को इलाज के लिए सोलापुर जिले के नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हालांकि, जिला प्रशासन की ओर से अभी हताहतों के अंतिम आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। स्थानीय पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती तौर पर तेज रफ्तार और वाहन में क्षमता से अधिक सवारी होना इस भीषण दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है।

देहरादून में बीजेपी नेता की हत्या के बाद गरमाया माहौल

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून जिले के सहसपुर पुलिस स्टेशन इलाके के बैरागीवाला गांव में शनिवार देर शाम पानी को लेकर हुए झगड़े ने खूनी मोड़ ले लिया। सिंचाई के पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते सांप्रदायिक हिंसा में बदल गई। इस हिंसक झड़प में भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक स्थानीय नेता की मौत हो गई। इस घटना के बाद से ही पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है।

बीजेपी नेता की हत्या की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने आरोपियों के घरों को निशाना बनाया और जमकर पथराव किया। इसके बाद भीड़ ने एक आरोपी के घर और वहां खड़े कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए और कुछ अन्य जगहों पर भी तोड़फोड़ और आगजनी की खबरें सामने आईं, जिससे माहौल और ज्यादा बिगड़ गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और हालात को काबू में करने की कोशिश शुरू की। हत्या की इस खौफनाक वारदात के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में आरोपी के घर को ढहाने की कार्रवाई की जा रही है।

टीएमसी के बागी गुट को रोकने के लिए स्पीकर से मिले कीर्ति-सागरिका

कोलकता, 14 जून। तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसदों की बगावत की खबरों के बीच, ममता बनर्जी के वफादार सांसदों ने भी दिल्ली में मोर्चा संभाल लिया है। रविवार को टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद और सागरिका घोष अचानक लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के आवास पर पहुंचे। जब मीडिया ने कीर्ति आजाद से पूछा कि क्या उनके पास स्पीकर से मिलने का पहले से समय है, तो उन्होंने कहा, अगर सर हमें समय देंगे, तो हम अंदर जाएंगे। नहीं तो, हम वापस चले जाएंगे।

लोकसभा स्पीकर के दफ्तर को पत्र सौंपने के बाद टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने मीडिया से बात करते हुए बागी गुट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, रहमने लोकसभा स्पीकर को एक पत्र दिया है, जिसमें साफ कहा गया है कि टीएमसी एक अटूट और अविभाज्य पार्टी है। आप लोकसभा के भीतर कोई भी अलग गुट नहीं बना सकते। यह पूरी तरह से संविधान के खिलाफ है। जो लोग टीएमसी को तोड़ना चाहते हैं और संसद के अंदर अलग ग्रुप बनाना चाहते हैं, कानून इसकी इजाजत बिल्कुल नहीं देता। बागी सांसदों पर निशाना साधते हुए सागरिका ने आगे कहा, यह आपकी नैतिक कमजोरी को दिखाता है कि जब पार्टी चुनाव हारती है, तो आप उस पार्टी, उस नेता और उस चुनाव चिह्न को ही छोड़ देते हैं, जिसके दम पर आप चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कानूनी नियमों की बात करते हुए कहा, यह पूरा मामला बिल्कुल साफ है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने इस पर फैसला दिया है और संविधान की 10वीं अनुसूची के अनुच्छेद 4 में भी इसका साफ जिक्र है कि पार्टी के भीतर अब किसी भी तरह का विभाजन मान्य नहीं हो सकता।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

ममता दीदी और उनकी मुश्किलें

\- महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में साल 2026 एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उलटफेर के गवाह के रूप में दर्ज हो चुका है। लगातार 15 वर्षों तक राज्य की सत्ता पर एकछत्र राज करने वाली तृणमूल कांग्रेस और उसकी सर्वोच्च नेता ममता बनर्जी आज अपने संपूर्ण राजनैतिक सफर के सबसे अंधकारमय और कठिन दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में संपन्न हुए 2026 के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार ने न केवल इस क्षेत्रीय दल को सत्ता के गलियारों से बेदखल कर दिया है, बल्कि ममता बनर्जी के अपराजेय होने के उस मिथक को भी हमेशा के लिए तोड़ दिया है जो पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की धरती पर कायम था। वर्ष 2011 में वामपंथ के 34 साल पुराने अभेद्य किले को ढहाकर सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने वाली ममता बनर्जी के लिए यह पराजय केवल एक चुनावी शिकस्त नहीं है। यह उनके द्वारा खड़े किए गए राजनैतिक साम्राज्य के बिखरने की एक शुरूआत जैसी प्रतीत हो रही है। सत्ता हाथ से फिसल जाने के बाद जो संकट अमूमन हर उस प्रांतीय दल के सामने आता है जिसकी कमान एक ही चेहरे के हाथ में हो, वह आज तृणमूल कांग्रेस के सामने बेहद आक्रामक और विनाशकारी रूप में आकर खड़ा हो गया है।

चुनावी नतीजों के आने के तुरंत बाद पार्टी के भीतर असंतोष का जो ज्वालामुखी पिछले कई महीनों से सुलग रहा था, वह अब पूरी तरह से फट चुका है। राजनैतिक हलकों और पार्टी के आंतरिक सूत्रों से आ रही प्रामाणिक खबरें यह साफ संकेत देती हैं कि वर्तमान समय में लगभग 50 विधायक और कई वरिष्ठ सांसद पूरी तरह से बगावती रुख अख्तियार कर चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस के 28 साल के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा और आत्मघाती आंतरिक संकट माना जा रहा है। सत्ता के जाते ही विधायकों और सांसदों का यह विशाल धड़ा पार्टी आलाकमान के हर फैसले पर खुलेआम उंगलियां उठा रहा है। कई ऐसे वरिष्ठ नेता जो कल तक मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद सिपहसालार और संकटमोचक हुआ करते थे, वे अब ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अपनी नई राजनैतिक राह तलाश रहे हैं। सुदीप बंदोपाध्याय जैसे अत्यंत कद्दावर और पुराने नेताओं के बगावती सुरों ने इस संकट को और अधिक गहरा तथा संवेदनशील बना दिया है, क्योंकि वे एक लंबे अरसे से देश की संसद में पार्टी के संसदीय दल के नेता के रूप में तृणमूल कांग्रेस का सबसे प्रमुख चेहरा रहे हैं। पार्टी के इस तीव्र बिखराव ने ममता बनर्जी की राजनैतिक प्राथमिकताओं को पूरी तरह से बदल दिया है, क्योंकि एक विपक्षी नेता के रूप में जनता के बीच अपनी खोई हुई जमीन दोबारा तलाशने से पहले उन्हें अपने बिखरते हुए घर को संभालने की अत्यंत दुरूह चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस बड़े विद्रोह और असंतोष के पीछे केवल सत्ता चले जाने की हताशा ही एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि पार्टी के भीतर समानांतर रूप से लंबे समय से चल रहा अंदरूनी सत्ता संघर्ष भी इसका मुख्य आधार है। यह गहरा वैचारिक और व्यावहारिक संघर्ष असल में पार्टी की पुरानी और नई पीढ़ी के बीच का है। एक तरफ ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली नई और युवा पीढ़ी है जो पार्टी के पूरे तंत्र को आधुनिक, तकनीकी और पूरी तरह से व्यावसायिक तरीके से संचालित करना चाहती है। वहीं दूसरी तरफ वे पुराने, पारंपरिक और अनुभवी नेता हैं जिन्होंने जमीनी स्तर पर संघर्ष करके इस पार्टी को खड़ा किया था। अभिषेक बनर्जी के निर्णय लेने के तौर तरीकों, टिकटों के बंटवारे में किए गए प्रयोगों और संगठनात्मक फेरबदल के फैसलों से ये पुराने नेता खुद को लंबे समय से उपेक्षित और हाशिए पर महसूस कर रहे थे। चुनावों में मिली करारी हार ने इस सुलगती हुई आग में घी का काम किया है और अब इस गुटबाजी ने एक उग्र रूप ले लिया है। बागी गुट के नेता अब खुले तौर पर अभिषेक बनर्जी की राजनैतिक रणनीतियों और उनकी कार्यशैली को इस ऐतिहासिक हार का मुख्य जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि बागी नेता अब अभिषेक बनर्जी को संसदीय दल के नेतृत्व से हटाने और पार्टी के पुराने ढर्रे को वापस लाने की जिद पर अड़ गए हैं। दो पीढ़ियों का यह तीखा टकराव पार्टी को संगठनात्मक रूप से दो टुकड़ों में विभाजित करने की कगार पर ले आया है।

ममता बनर्जी की चौतरफा घिरती मुश्किलों की फेहरिस्त केवल आंतरिक बगावत और सत्ता के नुकसान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में सिलसिलेवार ढंग से सामने आए भ्रष्टाचार के बड़े मामलों ने भी संगठन की नैतिक रीढ़ को पूरी तरह से तोड़ दिया है। शिक्षक भर्ती घोटाला, मवेशी तस्करी और सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली में हुई अरबों रुपये की गड़बड़ियों के संगीन आरोपों ने जमीनी स्तर पर आम जनता के बीच पार्टी की साख को बहुत गहरी चोट पहुंचाई थी। इन आपराधिक मामलों में प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी शक्तिशाली केंद्रीय जांच एजेंसियों की निरंतर सक्रियता, ताबड़तोड़ छापेमारी और पार्टी के शीर्ष मंत्रियों सहित कई कद्दावर नेताओं की जेल यात्रा ने संगठन के मनोबल को भीतर से खोखला कर दिया था। चुनावी समर के दौरान विपक्षी दलों ने इन घोटालों और भ्रष्टाचार के मुद्दों को जनता के बीच बहुत प्रभावी और आक्रामक तरीके से पेश किया, जिसके परिणामस्वरूप तृणमूल कांग्रेस का वह पारंपरिक गरीब और मध्यमवर्गीय मतदाता भी उससे दूर चला गया जो कभी उसकी सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। सत्ता की ढाल मौजूद रहते हुए इन जांच एजेंसियों के दबाव और कानूनी कार्रवाइयों को झेलना फिर भी मुमकिन था, परंतु अब विपक्ष के कमजोर आसन पर बैठने के बाद पार्टी के नेताओं के भीतर कानूनी शिकंजे का डर कई गुना बढ़ गया है, जिससे बचने के लिए वे सुरक्षित ठिकानों और नए राजनैतिक विकल्पों की शरण ले रहे हैं।

इन सब प्रशासनिक और संगठनात्मक कमजोरियों के अलावा, राज्य की कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और गहरे सामाजिक असंतोष ने भी ममता बनर्जी की वापसी की राह को बेहद पथरीला और दुर्गम बना दिया है। वर्ष 2024 में कोलकाता के आर जी कर चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल के भीतर हुई अत्यंत दुखद और पूरे देश को झकझोर देने वाली घटना ने बंगाल की जनता के धैर्य की सीमा को तोड़ दिया था। इस अमानवीय घटना के बाद भड़के अभूतपूर्व जन आक्रोश, हफ्तों तक चले नागरिक समाज के आंदोलनों और विशेषकर महिला चिकित्सकों व युवाओं के लगातार विरोध प्रदर्शनों ने तत्कालीन सरकार की प्रशासनिक संवेदनशीलता और पुलिसिया तंत्र की निष्पक्षता पर बहुत गंभीर सवालिया निशान खड़े किए थे। पश्चिम बंगाल के राजनैतिक इतिहास में आधी आबादी यानी महिलाएं हमेशा से ममता बनर्जी की सबसे अटूट ढाल और मूक मतदाता रही हैं, लेकिन इस विशिष्ट घटना और उसके बाद के घटनाक्रमों ने महिला मतदाताओं के एक बहुत बड़े और जागरूक वर्ग को तृणमूल कांग्रेस से पूरी तरह से विमुख कर दिया। सत्ता विरोधी लहर के साथ-साथ इस गहरे और सुलगते हुए सामाजिक गुस्से ने 2026 के विधानसभा चुनावों में एक अत्यंत निर्णायक भूमिका निभाई और पार्टी को पराजय के गर्त में धकेल दिया। अंततः, तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के सामने आज एक ऐसा अभूतपूर्व संकट खड़ा है जहां उन्हें अपनी राजनैतिक यात्रा को फिर से शून्य से शुरू करना पड़ रहा है। बिना सरकारी सत्ता और संसाधनों के इतने बड़े संगठन को आर्थिक तथा मानसिक रूप से जीवित रखना, केंद्रीय जांच एजेंसियों के मुकदमों का कानूनी सामना करना और इसके साथ ही अपने 50 बागी विधायकों और सांसदों को बिखरने से रोकना ममता बनर्जी के चार दशक लंबे राजनैतिक जीवन की सबसे कठिन और अग्निपरीक्षा जैसी चुनौती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक पूरी तरह से नए युग में प्रवेश कर चुकी है जहां भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ राज्य की सत्ता पर काबिज होकर अपनी नीतियां लागू कर रही है। ऐसे विपरीत और अशांत माहौल में ममता बनर्जी के लिए अपनी पार्टी के अस्तित्व को बचाए रखना, संगठनात्मक बिखराव की इस तेज आंधी को रोकना और अपने बचे हुए कार्यकताओं में दोबारा जोश भरना एक ऐसा असाध्य कार्य बन गया है जिसकी मुश्किलें निकट भविष्य में कम होने का नाम नहीं ले रहीं।

खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते.... भारत का यह कड़ा रुख अब पाकिस्तान के लिए काल बनता जा रहा है

अशोक भाटिया

खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते..... भारत का यह कड़ा रुख अब पाकिस्तान के लिए काल बनता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत ने जब से ऐतिहासिक 'सिंधु जल समझौते' को ठंडे बस्ते में डाला है, तब से इस्लामाबाद के हुक्मरानों की रातों की नींद उड़ी हुई है। अब हालत यह हो गई है कि पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसने की आशंका से घबराए पाकिस्तान ने भारत को सीधे 'युद्ध' की गीदड़भभकी दे डाली है।भारत के कड़े तेवरों को देखकर पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी बुरी तरह बौखला गए हैं। अंद्राबी ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत के इस कदम से 25 करोड़ से अधिक पाकिस्तानियों की जिंदगी दांव पर लग जाएगी। इंटरनेशनल नियमों की दुहाई देते हुए अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान पानी को एक राजनीतिक हथियार या दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करने के विचार को खारिज करता है। पानी रोकने की किसी भी कोशिश के गंभीर नतीजे होंगे और इसे वठ चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत 'युद्ध की कार्रवाई' माना जा सकता है।

पानी की कमी का सबसे ज्यादा असर सिंध पर पड़ा है, जहां पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची स्थित है। यहां राजनेता, किसान और जल विशेषज्ञ पानी की घटती सप्लाई और असमान वितरण को लेकर लगातार चिंता जाहिर कर रहे हैं। सिंध और बलूचिस्तान में पानी की भारी कमी के कारण यह संकट पाकिस्तान की लगभग एक-तिहाई आबादी को प्रभावित कर रहा है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, सिंधु नदी पर बने सबसे बड़े और अहम सिंचाई ढांचों में से एक सुक्कुर बैराज के आसपास यह संकट तेजी से साफ दिखाई दे रहा है। यह बैराज सिंध और बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में लाखों एकड़ खेती की जमीन के लिए पानी का स्रोत है इसलिए यह पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी है। सिंध के नहर नेटवर्क में पानी की कमी चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है।डॉन के सूत्रों के मुताबिक, नॉर्थ वेस्ट नहर में 64।1 प्रतिशत, राइस नहर में 38 प्रतिशत और दादू नहर में 82 प्रतिशत की भारी कमी देखी जा रही है। ऊपरी इलाकों में पानी की अवैध निकासी और असमान वितरण के आरोपों से स्थिति और भी बिगड़ रही है।

सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि पंजाब अपने तय हिस्से (44,000 क्यूसेक) के मुकाबले 53,394 क्यूसेक पानी ले रहा है, जो उसके हक से 21 प्रतिशत से ज्यादा है। इसी तरह, कहा जा रहा है कि टौंसा बैराज अपने मंजूरशुदा हिस्से (24,000 क्यूसेक) के मुकाबले 25,694 क्यूसेक पानी ले रहा है, जो लगभग 9।3 प्रतिशत ज्यादा है।वहीं दूसरी ओर चश्मा बैराज में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे पता चलता है कि ऊपरी इलाकों में पानी जमा हो रहा है, जबकि निचले इलाकों में पानी की भारी कमी हो रही है।

इस बिगड़ते संकट ने पाकिस्तान में तीखी राजनीतिक बहस छेड़ दी है। जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख हाफिज नईम-उर-रहमान ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (ढढढ) की अगुवाई वाली सिंध सरकार पर आरोप लगाया है कि वह सालों तक सत्ता में रहने के बावजूद कराची में पानी की पुरानी किल्लत को दूर करने में नाकाम रही है।पीपीपी सिंध के अध्यक्ष निसार अहमद खुहरो ने बार-बार चेतावनी दी है कि पाकिस्तान के सबसे ज्यादा कृषि उत्पादन वाले इलाकों में से एक होने के बावजूद सिंध को पानी का उसका वाजिब हिस्सा नहीं मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि सिंध हर साल लगभग 55 लाख टन चावल का उत्पादन करता है और चावल के निर्यात से लगभग 1।4 अरब डॉलर कमाता है। आर्थिक नतीजों के बारे में चेतावनी देते हुए खुहरो ने सिंध के खरीफ सीजन के पानी के आवंटन में कटौती को प्रांत का आर्थिक नरसंहार बताया।खुहरो का कहना है कि सिंध देश के कुल कृषि उत्पादन का 67 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है, फिर भी उसे पानी का उसका वाजिब हिस्सा नहीं मिल रहा है। नहरें सूखने से किसान परेशान। जमीनी स्तर पर संकट का असर दिखने लगा है। डॉन के अनुसार, सुक्कुर बैराज सिस्टम की राइट बैंक नहरों में पानी की भारी कमी है। ये नहरें लरकाना, कंबर-शहदादकोट, दादू, शिकारपुर और बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में सिंचाई करती हैं।

सिंध आबादगार बोर्ड के कंबर-शहदादकोट चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष इशाक मुघेरी ने बताया कि नॉर्थ वेस्टर्न कैनाल में 64।1 प्रतिशत, राइस कैनाल में 38 प्रतिशत और दादू कैनाल में 82 प्रतिशत पानी की कमी है।

दादू नहर, जिसके लिए 4,995 क्यूसेक पानी तय किया गया था, उसे अभी सिर्फ 860 क्यूसेक पानी मिल रहा है।नॉर्थ वेस्टर्न नहर को 6,260 क्यूसेक के तय हिस्से के मुकाबले 2,100 क्यूसेक पानी मिल रहा है।जबकि राइस नहर को 8,700 क्यूसेक के मंजूर हिस्से के मुकाबले 5,300 क्यूसेक पानी मिल रहा है।सालों से बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में देरी और सिंचाई नहरों का काम अधूरा रहने से स्थिति और खराब हो गई है, जिससे किसान मौसमी खेती शुरू नहीं कर पा रहे हैं। दूसरी ओर, जल की कमी का असर पाकिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण सिंचाई ढांचे सुक्कुर बैराज पर साफ दिखाई दे रहा है। सिंधु नदी पर बना यह विशाल ढांचा लाखों एकड़ खेती को जीवन देता है। लेकिन अब यहां से निकलने वाली नहरों में पानी तेजी से घट रहा है। उत्तर पश्चिम नहर में 64 प्रतिशत से अधिक कमी दर्ज की गई है। राइस नहर लगभग 38 प्रतिशत घाटे में चल रही है, जबकि दादू नहर में हालत सबसे भयावह है, जहां 82 प्रतिशत तक पानी कम हो चुका है।

सिंधु नदी प्रणाली पर पाकिस्तान की निर्भरता ने लंबे समय से पानी की सुरक्षा को एक रणनीतिक मुद्दा बना दिया है। जैसे-जैसे पानी की कमी बढ़ रही है और पानी के बंटवारे को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो रहे हैं। यह संकट देश के सिंचाई प्रबंधन और कृषि बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को और ज्यादा उजागर कर रहा है। हालांकि भारत के सिंधु जल समझौते पर कड़ा रुख बनाए रखने और बंटवारे को लेकर अंदरूनी विवादों के बढ़ने के साथ आने वाले महीनों में पाकिस्तान के सामने पानी की चुनौती और भी मुश्किल होती दिख रही है।

हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैदराबाद में आयोजित एक 'बुद्धिजीवी सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' और पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने का जिक्र किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि आतंक के संरक्षकों तक सिंधु नदी का पानी नहीं पहुंचने देंगे। रक्षा मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि भारत शांति की भाषा न समझने वालों को जवाब देना अच्छे से जानता है और जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह बंद नहीं करता, तब तक यह जल-बंटवारा समझौता निलंबित ही रहेगा।बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा का पुनरावलोकन है, जिसमें उन्होंने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे।

गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी प्रणाली की नदियों के जल-उपयोग को लेकर 19 सितंबर, 1960 को ऐतिहासिक 'सिंधु जल संधि' पर हस्ताक्षर किए गए थे। हालांकि, पिछले वर्ष पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के बाद भारत ने कड़ा रुख अपनाया ।अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए, भारत ने इस संधि को तब तक के लिए स्थगित कर दिया है, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह और विश्वसनीय रूप से बंद नहीं कर देता।

यहां एक और बात यह भी है कि पाकिस्तान के भीतर ही पानी की लूट और असमान वितरण ने भी आग में घी डाल दिया है। सिंध सिंचाई विभाग के आंकड़े बताते हैं कि पंजाब अपने तय हिस्से से 21 प्रतिशत अधिक पानी खींच रहा है। तौंसा बैराज भी तय सीमा से ज्यादा पानी ले रहा है। दूसरी तरफ निचले इलाकों में नहरें सूख रही हैं। इसका मतलब साफ है कि पाकिस्तान का आंतरिक ढांचा भी अब टूटने लगा है।

यही वजह है कि वहां राजनीतिक युद्ध छिड़ चुका है। जमात-ए-इस्लामी ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सिंध सरकार को पानी संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया है। वहीं पीपुल्स पार्टी संघीय तंत्र और जल प्रबंधन एजेंसियों पर हमला बोल रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता निसार अहमद खुहरो ने खुलकर कहा है कि सिंध देश की 67 प्रतिशत कृषि उपज पैदा करता है, फिर भी उसे उसके हिस्से का पानी नहीं दिया जा रहा। उन्होंने खरीफ मौसम में पानी कटौती को सिंध का आर्थिक कत्लेआम बताया।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो भारत का यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। दशकों तक पाकिस्तान आतंक को राज्य नीति की तरह इस्तेमाल करता रहा, जबकि भारत केवल सैन्य जवाब तक सीमित था। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। नई दिल्ली ने जल, कूटनीति और आर्थिक दबाव को एक साथ जोड़कर बहुस्तरीय रणनीति तैयार की है। इसका असर केवल आज के संकट तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले महीनों में यदि पाकिस्तान के भीतर पानी को लेकर प्रांतीय संघर्ष और बढ़ते हैं, तो वहां राजनीतिक अस्थिरता, कृषि संकट और आर्थिक दबाव और गहरा सकता है।

हिमलिंग में साकार महादेव, अमरत्व और आस्था का महाकुंभ

\-सुरेश गांधी

जब हिमालय की ऊंची चोटियों पर बर्फ की चादर चमकती है, जब घाटियों में गूंजता है ₹हर-हर महादेव₹ और जब लाखों कदम एक ही दिशा में बढ़ने लगते हैं, तब समझ लीजिए कि बाबा बफार्नी अपने भक्तों को बुला रहे हैं। यह केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, साहस और आत्मिक अनुभूति का ऐसा संगम है, जहां पहुंचकर मनुष्य स्वयं को प्रकृति और परमात्मा के सबसे निकट महसूस करता है। जम्मू-कश्मीर की दुर्गम पर्वतमालाओं के बीच स्थित अमरनाथ धाम सदियों से करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का केंद्र रहा है। यहां तक पहुंचने का मार्ग जितना कठिन है, अनुभव उतना ही दिव्य। बफीर्ली हवाएं, खड़ी चढ़ाइयां, संकरी पगडंडियां और ऑक्सीजन की कमी जैसी चुनौतियां भी उस श्रद्धा को रोक नहीं पातीं, जो महादेव के दर्शन की लालसा में हजारों किलोमीटर की दूरी तय करके यहां पहुंचती है। इस वर्ष 3 जुलाई से आरंभ होने वाली 57 दिवसीय अमरनाथ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता, सनातन चेतना और अदम्य विश्वास का विराट उत्सव है। एक ओर हिम से निर्मित स्वयंभू शिवलिंग करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है तो दूसरी ओर अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था आधुनिक भारत की सजगता का प्रतीक। प्रकृति, अध्यात्म और राष्ट्र की सामूहिक चेतना का ऐसा अद्भुत संगम शायद ही दुनिया के किसी अन्य तीर्थ में देखने को मिले, जहां हिमालय की गोद में स्वयं प्रकट होते हैं बाबा बफार्नी

तीनों लोकों का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर जितना प्राकृतिक कारणों से खूबसूरत है, उतना ही धार्मिक स्थलों की वजह से भी। एक तरफ आदि शक्ति जगत जननी मां वैष्णवी देवी का जहां स्थायी निवास है तो दुसरी तरफ सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा, जगत के पालनहार विष्णु व संपूर्ण जीवों के संरक्षक महादेव की भी तपोभूमि है। यही वजह है कि अमरनाथ धाम केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि सनातन आस्था, अध्यात्म और अमरत्व के रहस्य का जीवंत प्रतीक है। यहां की हसीन वादियों के पग-पग पर श्रद्धालुओं को पवित्र धामों के दर्शन तो होते ही है, प्रकृति की मनोहारी-अनुपम छटा भी नजर आती है। यहां बड़ी-बड़ी पहाडियां बर्फ से ढंकी रहती हैं, हिमालय की वनस्पतियों के नजारे और झीलें आंखों को सुखद अहसास देते हैं। भगवान भोलेनाथ यानी अमरनाथ की यात्रा को तो श्रद्धालु स्वर्ग के साथ-साथ मोक्ष की भी प्राप्ति मानते हैं। शायद यही वजह भी है कि अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से सबसे प्रमुख है। इसे तीर्थो का तीर्थस्थल कहा जाता है, क्योंकि यहीं पर भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व के रहस्य की जानकारी दी थी। यहां की खासियत है कि पवित्र गुफा में बर्फ से प्राकृतिक शिवलिंग का निर्माण। इसे स्वयंभू हिमानी यानी बाबा बफार्नी शिवलिंग भी कहते हैं।

खास यह है कि यह पवित्र गुफा वर्ष में केवल कुछ सप्ताह के लिए खुलती है, लेकिन इन कुछ दिनों में यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में होती है। इस वर्ष 3 जुलाई से आरंभ होने वाली अमरनाथ यात्रा 57 दिनों तक चलेगी और श्रावण पूर्णिमा अर्थात रक्षाबंधन तक जारी रहेगी। कहते हैं कि यदि धरती पर कहीं शिव की दिव्यता प्रत्यक्ष रूप में अनुभव की जा सकती है तो वह बाबा बफानी की इस पवित्र गुफा में। यही कारण है कि अमरनाथ यात्रा को केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण और मोक्ष की यात्रा माना जाता है। गुफा में शिवलिंग के साथ ही श्रीगणेश, पार्वती और भैरव के हिमखंड भी निर्मित होते हैं। इसकी महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 5 किमी की लम्बी दुर्गम पैदल यात्रा करने के बाद जब व्यक्ति 13600 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में हिमलिंग के दर्शन करता है तो उसकी सारी थकान पल भर में छू-मंतर हो जाती है। भक्तों को अद्भुत आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है। इसीलिए अमरनाथ यात्रा को अमरत्व की यात्रा भी कहा जाता है। यहां अक्सर बर्फ गिरती रहती है और इस क्षेत्र का तापमान माइनस 5 डिग्री तक पहुंच जाता है। रास्ते का सौंदर्य बयान करना शब्दों से परे है, हां इतना कह सकते हैं कि प्राकृतिक नजारा देखकर हृदय के अंदर आनन्द का संचार होता रहता है। पूरे रास्ते छोटे झरने, जलप्रपात का दृश्य नयनाभिराम लगते हैं। पूरे रास्ते नदी, पहाड़ एवं झरनों का अद्भुत नजारा है।

जो भी हो इतना तो तय है कि अमरनाथ यात्रा भले ही अमरत्व की आकांक्षा लिए हो, लेकिन यह देश को कन्याकुमारी से कश्मीर तक भी जोड़ती है। यात्रा के मार्ग पर हिमानी घाटियां, ऊंचे झरने, बर्फ से लबरेज सरोवर, कुदरत के रचे बफीर्ले पुल श्रद्धालुओं की आस्था को रोमांचित कर देते हैं। इस कठिन यात्रा के समापन पर तन-मन एक अनूठी शांति से भर जाता है। तभी तो कुछ इसे स्वर्ग की प्राप्ति का रास्ता बताते हैं तो कुछ मोक्ष प्राप्ति का, लेकिन यह सच है कि अमरनाथ, अमरेश्वर आदि के नामों से विख्यात भगवान शिव के स्वयंभू शिवलिंगम का दर्शन, जो हिम से प्रत्येक पूर्णमासी को अपने पूर्ण आकार में होता है, दिल को सुकून देने वाला होता है। इतनी लंबी यात्रा तथा अनेक बाधाओं को पार करके अमरनाथ गुफा तक पहुंचना कोई आसान कार्य नहीं है। प्रत्येक यात्री जो गुफा के भीतर हिमलिंगम के दर्शन करता है, अपने आप को धन्य पाता है और खुद को भाग्यशाली समझता है क्योंकि कई तो खड़ी चढ़ाइयों को देख आधे रास्ते से ही वापस मुड़ जाते हैं। वैसे भी जम्मू-कश्मीर को यूं ही देवलोक नहीं कहा जाता है। इसे धरती का देवलोक कहे जाने के पीछे बड़ी वजह यह है कि यहां 45 से अधिक शिवधाम, 60 से अधिक विष्णुधाम, 3 ब्रह्मधाम, 22 शक्तिधाम तथा 700 नागधाम हैं। इन्हीं तीर्थ स्थलों में परम आस्था का प्रतीक है अमरनाथ की यात्रा, जहां हर श्रद्धालु जीवन में एक बार अवश्य ही जाने को लालायित रहता है।

हिमलिंग में साकार होते हैं महादेव

अमरनाथ गुफा की सबसे बड़ी विशेषता है यहां प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाला हिमलिंग। गुफा की छत से टपकती जल बूंदें बर्फ में परिवर्तित होकर शिवलिंग का स्वरूप धारण करती हैं। श्रद्धालु इसे स्वयंभू हिमानी शिवलिंग अथवा बाबा बफार्नी के रूप में पूजते हैं। आश्चर्य यह है कि चंद्रमा के घटने-बढ़ने के साथ हिमलिंग का आकार भी बदलता है। श्रावण पूर्णिमा पर यह अपने पूर्ण आकार में होता है और अमावस्या की ओर धीरे-धीरे छोटा होता जाता है। गुफा में केवल शिवलिंग ही नहीं, बल्कि गणेश, माता पार्वती और भैरवनाथ के हिमखंड भी निर्मित होते हैं। यही कारण है कि यह स्थल शिवभक्तों के लिए अद्वितीय आस्था का केंद्र बन गया है।

अमरत्व के रहस्य से जुड़ी है अमरनाथ की कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव से पूछा था कि वे अजर-अमर क्यों हैं और उनके गले में नरमुंडों की माला का रहस्य क्या है। माता के आग्रह पर भगवान शिव ने उन्हें अमरत्व और सृष्टि के सृजन का गूढ़ रहस्य बताने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने ऐसी जगह की तलाश की जहां कोई तीसरा जीव उस रहस्य को न सुन सके। इसी उद्देश्य से वे हिमालय की इस निर्जन गुफा तक पहुंचे। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना नंदी बैल पहलगाम में, चंद्रमा चंदनवाड़ी में, गले का सर्प शेषनाग में, पुत्र गणेश को महागुणस पर्वत पर तथा पंचतत्वों को पंचतरणी में छोड़ दिया। इसके बाद गुफा के चारों ओर अग्नि प्रज्ज्वलित कर माता पार्वती को अमर कथा सुनानी आरंभ की। कथा के दौरान माता पार्वती को नींद आ गई, लेकिन गुफा में मौजूद दो कबूतर कथा सुनते रहे। जब भगवान शिव को इसका आभास हुआ तो वे क्रोधित हुए, किंतु कबूतरों ने कहा कि यदि अमर कथा सत्य है तो वे अमर हो चुके हैं। तब भगवान शिव ने उन्हें अमरत्व का वरदान दिया। आज भी अनेक श्रद्धालु गुफा के आसपास कबूतरों का जोड़ा देखने का दावा करते हैं, जिन्हें 'अमर पक्षी' कहा जाता है।

कठिनाइयों से भरी लेकिन आत्मिक आनंद देने वाली यात्रा

बाबा बर्फानी के दर्शन आसान नहीं हैं। श्रद्धालुओं को बर्फ से ढकी ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं, दुर्गम घाटियों और ऑक्सीजन की कमी वाले क्षेत्रों से गुजरना पड़ता है। कई स्थानों पर सांस लेना भी कठिन हो जाता है। फिर भी 'हर-हर महादेव' के उद्घोष और शिव कृपा का विश्वास यात्रियों के कदमों को आगे बढ़ाता है। यात्रा के दो प्रमुख मार्ग हैं। पहला पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम मार्ग और दूसरा 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग। इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दोनों मार्गों पर ट्रैक को 12 फुट तक चौड़ा किया गया है, जिससे यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और सुगम होगी।

सुरक्षा का अभेद्य कवच

आस्था के इस महापर्व को सुरक्षित बनाने के लिए इस वर्ष अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई है। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 670 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की जा रही हैं। यात्रा मार्ग के प्रत्येक संवेदनशील बिंदु पर ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे और अत्याधुनिक सर्विलांस सिस्टम से निगरानी रखी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को बहुस्तरीय और अभेद्य सुरक्षा घेरा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों, घोड़ा संचालकों, दुकानदारों और कामगारों का पंजीकरण किया जा रहा है तथा उन्हें क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यात्रा मार्ग पर अत्याधुनिक उपकरण तैनात किए हैं, जिनमें पोर्टेबल आरसीआईईडी जैमर, डीप सर्च मेटल डिटेक्टर, विस्फोटक डिटेक्टर, एक्स-रे बैग स्कैनर, वाहन एक्स-रे स्कैनर, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर शामिल हैं। साथ ही किरायेदार सत्यापन, ठहराव स्थलों की जांच और खुफिया निगरानी को भी तेज कर दिया गया है।

केवल यात्रा नहीं, राष्ट्रीय एकता का महापर्व

अमरनाथ यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह देश को कन्याकुमारी से कश्मीर तक एक सूत्र में बांधती है। विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं से जुड़े लोग यहां केवल शिवभक्त बनकर पहुंचते हैं। यात्रा मार्ग पर बफीर्ली घाटियां, झरने, हिमनद, सरोवर और प्रकृति की अद्भुत छटा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देती है। कहा जाता है कि अमरनाथ में शिवलिंग के दर्शन काशी में लिंग पूजन से दस गुना, प्रयाग से सौ गुना और नैमिषारण्य से हजार गुना अधिक पुण्य प्रदान करते हैं। यही कारण है कि हर शिवभक्त जीवन में एक बार बाबा बफार्नी के दरबार में शीश नवाने की अभिलाषा रखता है। वास्तव में अमरनाथ यात्रा केवल हिमलिंग के दर्शन तक सीमित नहीं है। यह जीवन और मृत्यु के रहस्य को समझने, आत्मा की अमरता का बोध पाने और शिव की अनंत चेतना से जुड़ने का आध्यात्मिक अवसर है। जब श्रद्धालु कठिन पर्वतीय मार्गों को पार कर पवित्र गुफा में पहुंचता है और हिमलिंग के दर्शन करता है, तब उसकी सारी थकान, भय और सांसारिक चिंताएं क्षण भर में समाप्त हो जाती हैं। शायद यही कारण है कि बाबा बफार्नी की यह यात्रा सदियों से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र बनी हुई है। ₹हिमालय की श्वेत निस्तब्धता में विराजमान बाबा बफार्नी केवल बर्फ का शिवलिंग नहीं, बल्कि सनातन आस्था का वह दिव्य प्रतीक हैं जो हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालुओं को यह संदेश देते हैं कि शरीर नश्वर है, किंतु आत्मा अमर है।

बुजुर्गों की उपेक्षा: आधुनिक समाज की सबसे बड़ी विडंबना

\-विक्रम दयाल

घर के एक कोने में रखी वह पुरानी कुर्सी—जिस पर कभी परिवार का सबसे सम्मानित सदस्य बैठा करता था—आज अक्सर खाली रहती है। उसी घर में, जहाँ कभी उनके अनुभवों की रोशनी से फैसले लिए जाते थे, अब उनकी आवाज धीरे-धीरे अनसुनी होने लगी है। आधुनिकता की चमक में कहीं हम अपने ही अतीत से मुँह मोड़ते जा रहे हैं।बुजुर्ग केवल उम्र के बढ़ते अंक नहीं होते, वे हमारे परिवार की जड़ें होते हैं—अनुभव, संस्कार और इतिहास का जीवंत रूप। उन्होंने अपने जीवन के सबसे सुनहरे वर्ष इस परिवार को सँवारने में लगाए, अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने में बिताए। लेकिन आज वही लोग अपने ही घर में पराये-से महसूस करने लगे हैं। यह स्थिति केवल एक सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि एक गहरी विडंबना है। तेज रफ्तार जीवनशैली, काम का दबाव और बदलती प्राथमिकताएँ—इन सबने पारिवारिक संबंधों की परिभाषा बदल दी है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहाँ समय की कमी और व्यस्तता के कारण बुजुर्गों के लिए जगह और ध्यान दोनों कम होते जा रहे हैं। कई बार उन्हें बोझ की तरह देखा जाने लगता है, जो आधुनिक सोच की सबसे दुखद परिणति है। सबसे अधिक पीड़ा तब होती है जब बुजुर्गों की उपेक्षा केवल शारीरिक नहीं, बल्कि भावनात्मक भी होती है। उन्हें केवल दवाइयों और भोजन की जरूरत नहीं होती, बल्कि अपनापन, सम्मान और संवाद की भी आवश्यकता होती है। जब उनकी बातें सुनी नहीं जातीं, जब उनके अनुभवों को महत्व नहीं दिया जाता, तो वे भीतर ही भीतर टूटने लगते हैं। कुछ मामलों में यह उपेक्षा और भी गंभीर रूप ले लेती है—बुजुर्गों को वृद्धाश्रमों में छोड़ दिया जाता है, जहाँ वे अपने ही बच्चों की राह देखते रहते हैं। यह दृश्य किसी भी संवेदनशील मन को झकझोर देता है। क्या यही वह समाज है, जहाँ कभी मातृदेवो भव, पितृदेवो भव की परंपरा थी? परंतु, इस स्थिति के लिए केवल नई पीढ़ी को दोष देना भी उचित नहीं होगा। यह एक सामूहिक समस्या है, जिसका समाधान भी सामूहिक प्रयास से ही संभव है। हमें अपनी सोच और प्राथमिकताओं में बदलाव लाना होगा। बुजुर्गों को समय देना, उनकी बातों को ध्यान से सुनना और उन्हें निर्णयों में शामिल करना—ये छोटे-छोटे कदम उनके जीवन में बड़ी खुशियाँ ला सकते हैं। सरकार और समाज को भी इस दिशा में जागरूकता फैलानी होगी, ताकि बुजुर्गों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा हो सके। साथ ही, नई पीढ़ी को यह समझना होगा कि आज वे जिस स्थान पर हैं, वहाँ पहुँचने में उनके माता-पिता और दादा-दादी का कितना योगदान है। अंततः, यह केवल बुजुर्गों की समस्या नहीं, बल्कि हमारे भविष्य का आईना है। आज हम जो व्यवहार अपने बड़ों के साथ करेंगे, वही कल हमारे साथ दोहराया जाएगा। संदेश यही है—बुजुर्गों को बोझ नहीं, अपने जीवन का आशीर्वाद समझिए; क्योंकि उनकी छाया में ही हमारे संस्कार और पहचान सुरक्षित रहते हैं।

भारथक्लाउड ने आईसीएसआई के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

मुंबई। भारत के संप्रभु एआई क्लाउड प्रदाता भारथक्लाउड ने देशभर के कंपनी सेक्रेटरीज और आईसीएसआई सदस्यों तक विशेष रूप से तैयार किए गए क्लाउड समाधान उपलब्ध कराने के लिए पुणे में द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारत के कॉर्पोरेट गवर्नेंस और अनुपालन पेशेवरों को पुराने ऑन-प्रिमाइज आईटी ढाँचों से आगे बढ़ाकर ऐसे क्लाउड वातावरण की ओर ले जाने में सहायता करने की दिशा में एक कदम है, जिन्हें पेशेवर कार्यप्रणाली की विशिष्ट अनुपालन, डेटा रेजिडेंसी और सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस व्यवस्था के तहत, आईसीएसआई सदस्यों को भारथक्लाउड की क्लाउड अवसंरचना तक पहुँच प्राप्त होगी, जिसमें विभिन्न आकार की प्रैक्टिसों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई विशेष मूल्य निर्धारण संरचनाएँ उपलब्ध होंगी, चाहे वह कोई व्यक्तिगत प्रैक्टिशनर हो या कोई बड़ी पेशेवर फर्म। यह विशेष मूल्य निर्धारण व्यवस्था समझौता ज्ञापन की तिथि से दो वर्षों की अवधि तक आईसीएसआई सदस्यों के लिए उपलब्ध रहेगी।

पद्मा रेड्डी सामा, सह-संस्थापक, भारथक्लाउड, ने कहा, कंपनी सेक्रेटरीज कुछ सबसे संवेदनशील कॉर्पोरेट, गवर्नेंस, अनुपालन और ग्राहक संबंधी जानकारी का प्रबंधन करते हैं, फिर भी लंबे समय तक उनके लिए उपलब्ध क्लाउड विकल्प या तो अत्यधिक सामान्य थे या व्यावहारिक उपयोग के लिए अत्यधिक महंगे थे। आईसीएसआई के साथ यह साझेदारी इसी स्थिति को बदलने के बारे में है।

सीएस पवन जी. चांडक, अध्यक्ष, आईसीएसआई, ने कहा, कंपनी सेक्रेटरी का पेशा तेजी से विकसित हो रहा है, जिससे यह आवश्यक हो गया है कि हमारे सदस्यों को ऐसे डिजिटल समाधानों तक पहुँच मिले जो सुरक्षित, अनुपालन-अनुकूल और भविष्य के लिए तैयार हों। भारथ क्लाउड के साथ यह समझौता ज्ञापन आईसीएसआई द्वारा अपने सदस्यों को उनकी डिजिटल परिवर्तन यात्रा में सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

'मातोश्री' में उद्धव ठाकरे की बैठक से 5 सांसद नदारद

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को इन दिनों 'ऑपरेशन टाइगर' का डर सता रहा है, जिसके तहत पार्टी में एक और बड़ी टूट की अटकलें लगाई जा रही हैं। अपने सांसदों को पाला बदलने से रोकने और उन्हें एकजुट रखने के लिए पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को अपने आवास 'मातोश्री' में एक बेहद अहम बैठक बुलाई। इस हाई-प्रोफाइल बैठक के दौरान उस वक्त सस्पेंस बढ़ गया जब मातोश्री में सिर्फ 4 सांसद ही आमने-सामने मौजूद दिखाई दिए। हालांकि, शिवसेना के नेताओं ने तुरंत इस पर सफाई दी। पार्टी के सीनियर नेताओं ने बताया कि बैठक में सभी 9 सांसद शामिल थे, 4 लोग मातोश्री पहुंचे थे, जबकि बाकी के 5 सांसदों ने अपने कुछ जरूरी निजी कामों की वजह से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वर्चुअली) के जरिए इस मीटिंग में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में सांसदों के शामिल होने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए संजय राउत ने मीडिया के सामने तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा, ₹आप किस 'ऑपरेशन टाइगर' की बात कर रहे हैं? हम सभी खुद टाइगर हैं। हम किसी से डरने वाले नहीं हैं। अब हम 'ऑपरेशन वुल्फ' शुरू करने जा रहे हैं। हमारे सभी 9 सांसद और संसदीय दल पूरी तरह से एकजुट और मजबूत हैं और आगे भी साथ रहेंगे। बैठक के बाद पूर्व नेता अरविंद सावंत ने बताया कि कुछ सांसद बेहद निजी और पारिवारिक वजहों से मुंबई नहीं आ पाए। उन्होंने कहा, ₹एक सदस्य का बच्चा अस्पताल में बीमार है, दूसरे सदस्य की पत्नी की तबीयत ठीक नहीं है और एक अन्य सदस्य की बेटी की शादी है, इसलिए सभी को इन परिस्थितियों को समझना चाहिए।₹ वहीं अनिल देसाई ने कहा कि सांसदों और विधायकों की ऐसी बैठकें होना एक सामान्य प्रक्रिया है। मीडिया में चल रही टूट की सभी अफवाहें पूरी तरह बेबुनियाद हैं और सभी सांसद चट्टान की तरह उद्धव ठाकरे के साथ खड़े हैं।

ग्रेटर मुंबई में भीषण गर्मी, मराठवाड़ा और विदर्भ में हीटवेव का अलर्ट

मुंबई। मुंबईकरों के लिए मॉनसून का इंतजार बढ़ गया है। हालांकि अरब सागर के ऊपर मॉनसून सक्रिय है, लेकिन महाराष्ट्र में इसके आगे बढ़ने (हरनाई से आगे) में और देरी होने की संभावना है। राज्य में मॉनसून के आगमन के बावजूद लोगों को भीषण गर्मी से कोई राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान बताते हैं कि मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ के कुछ इलाकों में हीटवेव (लू) की स्थिति बन सकती है, जबकि ग्रेटर मुंबई क्षेत्र में 16 जून तक गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है।

इससे पहले भारत मौसम विज्ञान विभाग (बटउ) के दैनिक अपडेट से संकेत मिला था कि मॉनसून 12 जून तक तीन से चार दिनों के भीतर महाराष्ट्र में और आगे बढ़ेगा। हालांकि, शनिवार, 13 जून को अपडेट से महाराष्ट्र का नाम अचानक हटा दिया गया। 13 जून के बुलेटिन में कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 2-3 दिनों के भीतर मॉनसून के आगमन का अनुमान लगाया गया था, लेकिन महाराष्ट्र का कोई ज़िक्र नहीं किया गया। इसके बजाय राज्य के लिए हीटवेव की चेतावनी जारी की गई। इससे महाराष्ट्र की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि महाराष्ट्र के ऊपर बारिश लाने वाले बादल नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य में मॉनसून के आगे बढ़ने में 19 या 20 जून तक देरी हो सकती है। महाराष्ट्र के ऊपर एक एंटी-साइक्लोनिक सकुर्लेशन (प्रति-चक्रवाती परिसंचरण) बना है। इससे गर्म हवाएं बाहर की ओर धकेली जा रही हैं। ये गर्म हवाएं बारिश वाले बादलों के बनने में बाधा डाल रही हैं। वर्तमान में उत्तर-पश्चिम से तेज हवाएं चल रही हैं, जबकि पश्चिम से आने वाली हवाओं में नमी बहुत कम है। नतीजतन, न्यूनतम तापमान अधिक बना हुआ है, लेकिन बारिश के लिए नमी का स्तर अपर्याप्त है।

बोरीवली स्टेशन के पुनर्निर्माण को लेकर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले संजय उपाध्याय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बोरीवली विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय उपाध्याय ने केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर बोरीवली रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बोरीवली स्टेशन मुंबई के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है, जहां प्रतिदिन लगभग 4.5 लाख यात्री आवागमन करते हैं। प्रधानमंत्री अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन के आधुनिकीकरण और पुनर्निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है, इसलिए इसकी प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए। इसके अलावा विधायक उपाध्याय ने रेल मंत्री को अलग-अलग पत्रों के माध्यम से पश्चिम रेलवे से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें भी उठाईं। इनमें बोरीवली से चर्चगेट के बीच एसी लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग प्रमुख है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एसी लोकल सेवाओं का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने दहाणू रोड तथा विरार और बोरीवली के बीच मेमू सेवाओं की जगह नई लोकल ट्रेन शुरू करने का भी आग्रह किया है, क्योंकि मेमू ट्रेन में काफी गंदगी होती है, उनमें पुराने रैक लगे हुए हैं। इससे उनमें प्रकाश कम होता है, हवा नहीं आती है, अगर नए लोकल की तर्ज. पर ट्रेन चलाई गई तो उपनगरीय यात्रियों को सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने इसके लिए अू-ल्लङ्गल्ल अू डिब्बे वाली लोकल ट्रेन चलाने की मांग की है। विधायक ने बोरीवली से चर्चगेट के बीच अतिरिक्त लोकल सेवाएं शुरू करने तथा यात्रियों की सुविधा के लिए रेल संचालन में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में APMC एवं एजुकेशन हब होने के कारण पश्चिमी उपनगर से बड़ी संख्या में व्यापारी और विद्यार्थी नवी मुंबई रोजाना सफर करते हैं। इस सफर के दौरान उन्हें कई जगहों पर लोकल ट्रेन बदलनी पड़ती है। इस असुविधा को दूर करने के लिए अंधेरी से बेलापुर लोकल सुबह 6 बजे से शुरू किए जाने के साथ ही बोरीवली से बेलापुर लोकल भी जल्द शुरू करने की मांग विधायक संजय उपाध्याय ने की। उन्होंने पश्चिम रेलवे के उपनगरीय नेटवर्क पर लगातार बढ़ते दबाव को देखते हुए यात्री सुविधाओं के विस्तार करने की मांग है।

संजय उपाध्याय ने रेल मंत्री को अवगत कराया कि पश्चिमी उपनगर वासियों को कल्याण जाने के लिए भी दादर जाकर लोकल बदलना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने बोरीवली से वसई- दिवा होते हुए कल्याण के लिए लोकल ट्रेन शुरू करने की मांग केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की।

संजय उपाध्याय ने रेल मंत्री से इन सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक निर्णय लेकर जल्द कार्रवाई करने का अनुरोध किया है, ताकि लाखों दैनिक यात्रियों को बेहतर और सुगम रेल सेवाओं का लाभ मिल सके। संजय उपाध्याय ने विलेपार्ले रेल्वे स्टेशन पर रेल मंत्री से पिछली मुलाकात के दौरान स्वयं चालित सीढ़ियां लगाने की मांग की थी, जो कि लगाया जा रहा है। इस मांग को पूरा करने के लिए संजय उपाध्याय ने रेल मंत्री अश्विनी का आभार व्यक्त किया।

25 महिलाओं से शादी करनेवाला गिरफ्तार, मुंबई पुलिस ने बताई फ्रॉड की कहानी

मुंबई। बॉलीवुड की एक फिल्म आई थी 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल'। इस फिल्म की तरह ही एक ठग ने एक दो या 5-10 नहीं, बल्कि 25 लड़कियों को शादी के नाम पर लूटा। शख्स ने कई से शादी का वादा करके कई सालों तक महिलाओं का भरोसा जीता और फिर उनसे रुपये ऐंठे। इतना ही नहीं, 25 ऐसी महिलाएं सामने आई हैं, जिनसे उसने शादी तक की। पुलिस ने बताया कि अनुजकुमार चंद्रप्रकाश त्रिवेदी ने मैट्रिमोनियल साइट्स पर खुद को एक आदर्श दूल्हे के तौर पर पेश किया और कई राज्यों में 25 से ज्यादा महिलाओं से शादी करके करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की।

जांचकताओं का कहना है कि अनुज कुमार ने खास तौर पर तलाकशुदा और कमजोर स्थिति वाली महिलाओं को निशाना बनाया। उसने नकली पहचान और इमोशनल मैनिपुलेशन (भावनात्मक हेरफेर) का इस्तेमाल करके देश के सबसे चौंकाने वाले मैट्रिमोनियल स्कैम में से एक को अंजाम दिया।

मीरा भायंदर-वसई विरार के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस संदीप डोइफोडे ने बताया कि आरोपी का पता उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में चला। पुलिस ने 24 मई को उसे गिरफ़्तार किया, जब उन्हें पता चला कि वह नकली पहचान के साथ रह रहा था। जांचकताओं को पता चला कि वह कई नकली नामों का इस्तेमाल करता था, जिनमें अजय अग्रवाल, अजय संतोष सिंह और जयप्रकाश रमेशचंद गुप्ता शामिल हैं। यह मामला तब सामने आया जब मार्च 2022 में एक 75 वर्षीय महिला नयानगर पुलिस के पास पहुंची। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने महिला की 45 वर्षीय बेटी के लिए जीवनसाथी की तलाश वाले एक मैट्रिमोनियल विज्ञापन का जवाब दिया था।

सोनोपंत दांडेकर विधि महाविद्यालय के बी.एल.एस.-एल.एल.बी. का सत प्रतिशत परिणाम

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली के विधि महाविद्यालय, पालघर ने विधि शिक्षा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए अपनी पांच वर्षीय बी.एल.एस.-एल.एल.बी. (2021-2026) की पहली ही बैच में शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। इस शानदार सफलता ने महाविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण को प्रमाणित किया है।

अंतिम परीक्षा में सभी विद्यार्थियों के सफल होने के साथ ही कई छात्रों ने विशेष प्रावीण्य हासिल किया। माहेनूर रियाज मुल्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय में टॉप किया, जबकि ईसरा अली हसन शेख ने द्वितीय और आर्या अश्विन चौधरी ने तृतीय स्थान हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। महाविद्यालय की पहली बैच द्वारा हासिल की गई इस ऐतिहासिक उपलब्धि से विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और प्रबंधन में हर्ष का वातावरण है। संस्था के अनुसार विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के समन्वय से यह सफलता संभव हो सकी। संस्था के अध्यक्ष सीए सचिन कोरे के नेतृत्व में प्रबंधन मंडल ने आधुनिक आधारभूत सुविधाएं, समृद्ध पुस्तकालय तथा गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष प्रयास किए हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पायल चोलेरा ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ह्लआप केवल हमारे स्नातक नहीं, बल्कि इस पाठ्यक्रम की विरासत की मजबूत नींव हैं। कानून के क्षेत्र में ईमानदारी, अनुशासन और उत्कृष्टता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए समाज में अपनी अलग पहचान बनाएं। संस्था को अपनी पहली बैच पर हमेशा गर्व रहेगा।

महाविद्यालय की पहली बैच की इस अभूतपूर्व सफलता से पालघर जिले में विधि शिक्षा के क्षेत्र में सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली के विधि महाविद्यालय की गुणवत्ता और विश्वसनीयता और अधिक मजबूत हुई है। संस्था को विश्वास है कि भविष्य में भी विद्यार्थी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नई ऊंचाइयों को छुयेंगे।

जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट ने जरूरतमंद बच्चों के बीच वितरण किया टी-शर्ट, नोटबुक और खाद्य सामग्री

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में समाज सेवा एवं मानव कल्याण के उद्देश्य से कार्यरत जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जीवन संवर्धन फाउंडेशन में निवासरत बेघर एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए टी-शर्ट, नोटबुक तथा अन्नदान सामग्री का वितरण किया गया। जीवन संवर्धन फाउंडेशन ऐसे बच्चों के जीवन को संवारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है, जो बेघर हैं अथवा सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित हैं। संस्था बच्चों को शिक्षा, संस्कार, आत्मनिर्भरता तथा बेहतर जीवन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। इस अवसर पर जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बच्चों को टी-शर्ट, अध्ययन सामग्री के रूप में नोटबुक तथा खाद्यान्न सामग्री वितरित की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से संवाद स्थापित कर उन्हें शिक्षा के महत्व और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति एवं संस्था को जरूरतमंद बच्चों के उत्थान के लिए आगे आना चाहिए। शिक्षा एवं मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के माध्यम से ही बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सकता है। जीवन संवर्धन फाउंडेशन के प्रबंधन ने जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से बच्चों को न केवल आवश्यक सामग्री प्राप्त होती है, बल्कि उन्हें समाज का स्नेह, अपनापन और प्रोत्साहन भी मिलता है। कार्यक्रम का समापन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवं समाज में सकारात्मक परिवर्तन की कामना के साथ किया गया। इस अवसर पर जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष मंगेश यादव, समाजसेवक सचिन वेलेकर, विश्वनाथ माने, मिलिंद नागपुरे, महेंद्र मढ़वी, रामनारायण सोनी, मनीष यादव, माणिकचंद तिवारी, सोनू पासी, संतोष गुप्ता, रमेश सोनी तथा प्रतीक अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आदित्य ठाकरे के जन्मदिन पर भिवंडी में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, जरूरतमंदों को बांटे गए चश्मे

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता एवं पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे के जन्मदिन तथा शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शिवसेना की कारीवली शाखा द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर शिवसेना अल्पसंख्यक सेना पश्चिम शहर संघटक नाविद अंसारी के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर में जरूरतमंद मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। इसके अलावा रक्तचाप (बीपी) एवं मधुमेह (शुगर) की जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिसका बड़ी संख्या में नागरिकों ने लाभ उठाया।

कार्यक्रम में जिला सहसंपर्क प्रमुख मनोज गगे, पूर्व शहर प्रमुख मोहन वल्लाल, पूर्व जिला संघटिका वैशाली मेस्त्री, सचिव नितेश दांडेकर, उपविभाग प्रमुख विजय कुंभार, उपशहर संघटिका नौशेबा अंसारी, नौशाद अंसारी, दिलावर खान तथा नाविद अंसारी सहित अनेक पदाधिकारी एवं शिवसैनिक उपस्थित रहे।

जनता के विश्वास के साथ धोखा : भावना शर्मा जैन, 24 घंटे भी नहीं चला 248 करोड़ का फ्लाईओवर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर पश्चिम जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष भावना शर्मा जैन के नेतृत्व में ओशिवारा में नए बने मृणाल ताई गोरे फ्लाईओवर में खराब क्वालिटी के कंस्ट्रक्शन और कथित करप्शन के खिलाफ कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। लगभग 248 करोड़ रुपए की लागत से बने इस फ्लाईओवर में उद्घाटन के 24 घंटे के अंदर ही डैमेज के निशान दिखने लगे थे। महापौर, भाजपा विधायक और दूसरे नेताओं ने फ्लाईओवर का उद्घाटन बड़े धूमधाम से किया था। उद्घाटन के बाद ही डामर की सतह उखड़ने लगी, फ्लाईओवर की सड़क पर गड्ढे हो गए, और उद्घाटन के तुरंत बाद रिपेयर का काम करना पड़ा। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि टैक्सपेयर्स के पैसे से इतनी ज्यादा लागत पर बना प्रोजेक्ट जनता के लिए खुलने के बाद इतनी जल्दी कैसे खराब हो सकता है? इस मौके पर पार्टी नेताओं ने कहा कि बीजेपी सरकार जिस फ्लाईओवर को विकास का प्रतीक बता रही थी, उसी फ्लाईओवर ने कंस्ट्रक्शन की क्वालिटी, जवाबदेही और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भावना जैन ने कहा कि मुद्दा सिर्फ कॉन्ट्रैक्टर का नहीं है, असली सवाल यह है कि इतने घटिया काम को किसने मंजूरी दी, पेमेंट किसने किया, और साफ कमियों के बावजूद प्रोजेक्ट का जल्दबाजी में उद्घाटन क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि यह जनता के भरोसे के साथ धोखा और जनता के पैसे का गलत इस्तेमाल है। भावना शर्मा जैन ने कहा कि हमने प्रोजेक्ट की एक इंडिपेंडेंट हाई-लेवल जांच, इसमें शामिल सभी अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही और 248 करोड़ रुपए कैसे खर्च किए गए, इसका पूरा खुलासा करने की मांग की है। इस विरोध प्रदर्शन ने मुंबई में कथित भ्रष्टाचार और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर क्वालिटी को लेकर जनता की बढ़ती चिंता को दिखाया। कांग्रेस ने मांग की कि बीजेपी सरकार एक आसान सवाल का जवाब दे कि 248 करोड़ रुपए कहां गए? इस मौके पर भावना जैन शर्मा के साथ महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष राजेश शर्मा, सैफ आहत खान, अखिलेश यादव, जयकांत शुक्ला, अवनीश तीर्थराज सिंह, सूर्यकांत मिश्रा, माधवी ताई राणे, गौरव राणे, शिव यादव के साथ पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता और आम नागरिक प्रदर्शन में मौजूद रहे।

किआ इंडिया ने 'प्रोजेक्ट ड्रॉप' के चौथे चरण की शुरूआत की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की अग्रणी मास-प्रीमियम कार निमार्ता कंपनी किआ इंडिया ने टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली-एनसीआर में 'प्रोजेक्ट ड्रॉप ' (डेवलप रिस्पॉन्सिबल आउटलुक फॉर प्लास्टिक) के चौथे चरण की शुरूआत की है। यह पहल इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के सहयोग से शुरू की गई। नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में इस विस्तार की घोषणा की गई।

चौथे चरण के तहत प्रोजेक्ट ड्रॉप का लक्ष्य दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कुल 250 केंद्रों में प्लास्टिक कचरे के जिम्मेदार प्रबंधन की व्यवस्था विकसित करना है, ताकि स्वच्छ और टिकाऊ शहरी वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके। चौथे चरण की शुरूआत के अवसर पर, किआ इंडिया और उसके सहयोगियों ने विशेष रूप से तैयार किए गए ड्रॉप कम्युनिटी बिन्स का अनावरण किया। इन डस्टबिन को रीसायकल किए गए प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके बनाया गया है, जो संसाधनों के पुनः उपयोग पर परियोजना के जोर को दशार्ता है। इस कार्यक्रम के दौरान ड्रॉप कलेक्शन व्हीकल को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करने के लिए एक व्यवस्थित और एकीकृत प्रणाली की शुरूआत का प्रतीक है। इसका मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली में कचरे को अलग करने, इकट्ठा करने और उसके सुरक्षित व जिम्मेदार निपटान की प्रथाओं को मजबूत करना है। 'प्रोजेक्ट ड्रॉप' के चौथे चरण की शुरूआत पर किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग, अतुल सूद ने कहा, ₹भारत के शहर तेजी से विकसित हो रहे हैं और ऐसे समय में संगठित एवं टिकाऊ कचरा प्रबंधन व्यवस्था की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। प्रोजेक्ट ड्रॉप के माध्यम से किआ इंडिया लोगों में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाने और जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के लिए मजबूत जमीनी ढांचा तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें खुशी है कि आईपीसीए और एनडीएमसी के साथ मिलकर हम इस पहल को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक ला पाए हैं, जो देशभर में पर्यावरण संरक्षण के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल बन सकती है।

नीम करौली बाबा

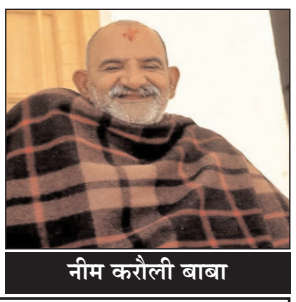

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति
फॅब्रीकेशन अँण्ड ग्रिल वर्क्स
93245 26742
98200 55193
93227 55403
PRAJAPATI
FABRICATION & GRILL WORKS
MANUFACTURERS OF
COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALUMINIUM SLIDING WINDOW
SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP, VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R1ZP

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

एक लाख का इनामी अंतरराज्यीय गौ-तस्कर रविन्द्र वर्मा गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की खुटहन पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। रु.1 लाख के इनामी अंतरराज्यीय गौ-तस्कर, चोर एवं विभिन्न संगीन मामलों में वांछित चल रहे शातिर अपराधी रविन्द्र वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश और गुजरात समेत विभिन्न स्थानों पर कुल 85 आपराधिक मुकदमे दर्ज पाए गए हैं।

85 मुकदमों का निकला आरोपी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत खुटहन पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्रामीण विकास इंटर कॉलेज, पटैला-मखदूमपुर मोड़ के पास घेराबंदी कर रविन्द्र वर्मा पुत्र सभापति वर्मा निवासी मखदूमपुर, थाना खुटहन को दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी कई मुकदमों में वांछित चल रहा था तथा उसकी गिरफ्तारी पर रु.1 लाख का इनाम घोषित था। पूछताछ और अभिलेखों की जांच में उसके खिलाफ गौ-तस्करी, चोरी, डकैती, धोखाधड़ी, अवैध हथियार, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज पाए गए।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी का आपराधिक नेटवर्क जौनपुर, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, प्रतापगढ़, अयोध्या, अमेठी, भदोही और गुजरात तक फैला हुआ था। लंबे समय से उसकी तलाश की जा रही थी और विभिन्न जनपदों की पुलिस टीमें उसके पीछे लगी थीं।

खुटहन थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने इसे अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की बड़ी सफलता बताया है।

सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का किया जा रहा कार्यः कृपाशंकर सिंह

मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर जौनपुर में कृपाशंकर सिंह ने चलाया जनसंवाद अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे ह्मोदी जी के 12 साल बेमिसालह्व अभियान के तहत जौनपुर लोकसभा क्षेत्र में जनसंपर्क कार्यक्रम लगातार जारी है। इसी क्रम में पूर्व गृहराज्यमंत्री महाराष्ट्र एवं जौनपुर लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने जौनपुर नगर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर लोगो से संवाद स्थापित किया। विशेष जनसंपर्क अभियान के क्रम में आज कृपाशंकर सिंह ने आज समाजसेवी अग्रहरि समाज के मुखिया मनोज अग्रहरि, शंकर मंडी में पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा हरिश्चंद्र सिंह, स्वर्णकार समाज के राजू जी, वरिष्ठ नेता ईश्वर देव सिंह को अंग वस्त्रम एवं भगवान श्रीराम की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। अभियान के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास, सुशासन एवं जनसेवा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है।

कृपाशंकर सिंह ने बताया कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जौनपुर के विकास को गति देना और जनता की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है।

जनसंपर्क के दौरान उन्होंने कई स्थानों पर स्थानीय लोगों को अंगवस्त्र, '12 साल बेमिसाल' पुस्तिका एवं भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। जनसंपर्क के दौरान स्थानीय लोगों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। कृपाशंकर सिंह ने जनता को आश्वस्त किया कि विकास और जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र के हित में लगातार कार्य किए जाएंगे।

इस मौके पर जयशंकर पाल, राजेश सिंह, मनोज अग्रहरि, बड़ी संख्या में ग्रामीण, भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चोरों के हौसले बुलंदः पुलिस चौकी के पास मंडी की आढ़त में सेंध, हजारों की नकदी गायब

पुलिस चौकी के सामने बेखौफ चोर, 9 इंच दीवार तोड़कर दुकान में की बड़ी चोरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली एक घटना में लाइन बाजार थाना क्षेत्र स्थित शीतला चौकिया पुलिस चौकी से महज कुछ ही दूरी पर नवीन सब्जी मंडी में जैनुल आब्दीन उर्फ जनूं मियां एवं गोपालापुर निवासी मनोज मौर्य की सब्जी आढ़त की दुकान है। दोनों कारोबारी रोज की तरह शनिवार देर शाम दुकान बंद कर घर चले गए थे। रविवार सुबह जब वे दुकान पर पहुंचे तो अंदर का दृश्य देखकर स्तब्ध रह गए।

सब्जी मंडी की एक आढ़त दुकान में शनिवार रात चोरों ने सेंध लगाकर करीब 41 हजार रुपये नकद तथा महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी रविवार सुबह दुकान खुलने पर हुई, जिसके बाद क्षेत्र के व्यापारियों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार नवीन तथा कुछ जरूरी दस्तावेज गायब थे।

पीड़ित व्यापारियों के अनुसार चोरों ने पहले दुकान के पीछे की दीवार काटकर अंदर प्रवेश किया और फिर आलमारी का लॉक तोड़कर नकदी व दस्तावेज लेकर फरार हो गए। घटना को अंजाम देने के तरीके से अंदेशा जताया जा रहा है कि चोरों ने पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया।

सूचना मिलते ही शीतला चौकिया चौकी प्रभारी राम प्रकाश यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही अन्य संभावित साक्ष्य जुटाने में लगी है।

पुलिस चौकी के नजदीक हुई इस चोरी की घटना ने व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मंडी के अन्य दुकानदारों में भी घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है। व्यापारियों ने पुलिस से जल्द खुलासे और क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक को ज्ञापन सौंप मांगा ट्रेनों का ठहराव

- लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव के लिए तरस रहा केराकत
- आंखों के सामने से दनदनाती नॉन स्टॉप गुजर जाती हैं ट्रेनें

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत रेलवे स्टेशन पर वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन का आगमन हुआ। उन्होंने स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था एवं चल रहे विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों एवं रेलवे संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने स्टेशन के समग्र विकास, प्रमुख ट्रेनों के ठहराव, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा अन्य जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

रेलवे संघर्ष समिति की ओर से अध्यक्ष मनोज कुमार कमलापुरी के नेतृत्व में एक ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की विभिन्न रेल संबंधी समस्याओं एवं जनभावनाओं से मंडल रेल प्रबंधक को अवगत कराया गया। समिति ने केराकत रेलवे स्टेशन को यात्री सुविधाओं की दृष्टि से और अधिक विकसित करने की मांग की और इस संबंधित एक मांगपत्र सौंपा जिसमें केराकत में लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव की उपयुक्तता का तर्कपूर्ण जिक्र करते हुए मांग की गई कि मऊ आनंद विहार,गाजीपुर आनंद विहार,गोरखपुर लोकमान्य तिलक, गाजीपुर कोलकाता तथा गोरखपुर शालीमार एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव केराकत स्टेशन पर सुनिश्चित किया जाय। मंडल रेल प्रबंधक ने मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर अनिल सोनकर गांगुली एडवोकेट, सुभाष यादव फौजी, पिंकू कमलापुरी अध्यक्ष, व्यापार मंडल, हंस कुमार सोनकर 'मकालू', वकील अंसारी, शहीद खान, संजय कसौधन, अशफाक खान,के के यादव ,वेदप्रिय साहू,सुनील सोनकर, विशाल साहू, नसीम अहमद, नितिन सोनकर, अशोक गुप्ता एवं दयाराम गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गौशाला केयरटेकर की निर्मम हत्या से सनसनी, आरोपी हिरासत में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के सुरुहुरपुर गांव में गौशाला केयरटेकर की निर्मम हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची जलालपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने घटना के संबंध में एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक गौशाला में केयरटेकर के रूप में कार्यरत था। हत्या किन कारणों से की गई, इसका अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इस घटना से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

अपराधियों पर सख्ती से कानून व्यवस्था मजबूत हुईः डीजीपी राजीव कृष्ण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने वाराणसी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से गंभीर अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है और अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं।

डीजीपी ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए संचालित मिशन शक्ति केंद्र बेहद प्रभावी साबित हो रहे हैं। इसके माध्यम से महिलाओं को सुरक्षा, सहायता और जागरूकता से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश पुलिस बल को और अधिक मजबूत बनाने के लिए भर्ती किए गए 60,244 नए आरक्षियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से विभिन्न जनपदों में तैनात किया जा रहा है। इससे कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि साइबर अपराधों की रोकथाम, यातायात प्रबंधन और अपराध नियंत्रण पुलिस विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इसके लिए आधुनिक तकनीकों और विशेष अभियानों का सहारा लिया जा रहा है। वाहन चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण को लेकर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हुए देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हुआ है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को जनता के प्रति संवेदनशील रहते हुए बेहतर सेवा देने का निर्देश भी दिया। प्रेस वार्ता के दौरान डीजीपी ने दावा किया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है और पुलिस अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रखे हुए है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता का फंदे से लटकते मिला शव, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी स्थानीय थाना क्षेत्र के मनरुटोला गांव में एक विवाहिता का शव घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटकते मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मनरुटोला गांव निवासी मानकुंवर (23) पत्नी राजू का शव शनिवार रात घर के बाहर बने कमरे में साड़ी के फंदे के सहारे लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।

सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक ने मौके का निरीक्षण कर परिजनों तथा ग्रामीणों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया मृतका के पिता धनशाय निवासी कनवा बरवाटोला ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की है, बल्कि उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है परिजनों के अनुसार मानकुंवर की शादी जून 2024 में हुई थी। वह चार बहनों में तीसरे नंबर पर थी।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक दीन्नू प्रसाद यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रधान पुत्र पर जानलेवा हमला, सिर फूटा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज क्षेत्र के केवटली बाजार में शनिवार को भूमि विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में ग्राम प्रधान के पुत्र पर कथित रूप से रॉड और सरिया से जानलेवा हमला कर दिया गया। हमले में उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार केवटली बाजार निवासी शारदा प्रसाद सोनी (48) ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी माता मुन्नी देवी ग्राम प्रधान हैं और वह उनके कार्यों का संचालन देखते हैं। आरोप है कि पड़ोसी पक्ष भी ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ता रहा है, जिसके चलते दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश चली आ रही है।

जिला अस्पताल रेफर, छह पर मुकदमा

तहरीर के मुताबिक शनिवार को उनके चाचा अपनी निजी भूमि पर बाउंड्रीवाल का निर्माण करा रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी कमलेश उमर, विशाल, आदित्य और विकास समेत अन्य लोग निर्माण कार्य का विरोध करने लगे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपित पक्ष के लोग दो अज्ञात व्यक्तियों के साथ शारदा प्रसाद की दुकान पर पहुंच गए और रॉड-सरिया से हमला कर दिया।

हमले में शारदा प्रसाद के सिर में गंभीर चोट लग गई। बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी मां एवं ग्राम प्रधान मुन्नी देवी को भी धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया गया। परिजन घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

इस संबंध में थानाध्यक्ष तरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

'एक यूनिट रक्त, कई जिंदगियों की उम्मीद'

विश्व रक्तदाता दिवस पर डीएम ने बढ़ाया रक्तदाताओं का उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल जौनपुर में रविवार को आयोजित विशेष रक्तदान शिविर में सेवा और मानवता का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने रक्तदाताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

जिलाधिकारी ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए एक यूनिट रक्त जीवनदान साबित हो सकता है। उन्होंने युवाओं एवं आम नागरिकों से नियमित रूप से स्वेच्छा से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि समाज सेवा की भावना को मजबूत करने के लिए रक्तदान जैसे पुण्य कार्यों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ब्लड बैंक और शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा स्वास्थ्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने चिकित्साकर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय कनौजिया सहित अस्पताल के चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। चिकित्सकों ने जिलाधिकारी को रक्तदान की प्रक्रिया, सुरक्षा मानकों और इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी।

शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। पूरे कार्यक्रम के दौरान रक्तदान के प्रति जागरूकता और समाजसेवा का संदेश प्रमुखता से देखने को मिला। उपशीर्षकः मानवता के नाम समर्पित पहल, युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया स्वैच्छिक रक्तदान।

भीम आर्मी की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, मिशन 2027 को सफल बनाने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर भीम आर्मी भारत एकता मिशन की संयुक्त कार्यकारिणी बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। बैठक में जिला, तहसील एवं ग्राम सभा स्तर के पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी ₹सत्ता परिवर्तन मिशन 2027₹ को सफल बनाने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने की रणनीति तैयार करना रहा।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भानुप्रताप भारती ने की। उन्होंने संगठन के विस्तार, सामाजिक न्याय की स्थापना और बहुजन समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए कार्यकताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मिशन 2027 की सफलता के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य करना होगा।

बैठक में जिला सहसंयोजक डॉ. दीपक कुमार, जिला सचिव एवं मीडिया एडवाइजर नीलेश भीमवंशी, जिला प्रचारक पप्पू राइन, नव नियुक्त सहसंयोजक नीरज गौतम, तहसील संयोजक दिनेश कुमार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं भीम सैनिक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने तथा सामाजिक जागरूकता अभियानों को गति देने पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी दौरान इनरमन आजाद को भीम आर्मी का जिला मीडिया प्रभारी, जौनपुर नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। नव नियुक्त पदाधिकारियों का कार्यकताओं ने स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

जिला सहसंयोजक डॉ. दीपक कुमार ने संगठनात्मक एकता पर बल देते हुए कहा कि सामाजिक परिवर्तन के लिए मजबूत संगठन आवश्यक है। वहीं जिला सचिव एवं मीडिया एडवाइजर नीलेश भीमवंशी ने संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। जिला प्रचारक पप्पू राइन एवं जिला मीडिया प्रभारी इनरमन आजाद ने जनसंपर्क अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता बताई।

नव नियुक्त सहसंयोजक नीरज गौतम ने संगठन द्वारा दिए गए दायित्व के लिए आभार व्यक्त करते हुए मिशन 2027 को सफल बनाने हेतु पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। तहसील संयोजक दिनेश कुमार ने भी कार्यकताओं से गांव-गांव तक संगठन को मजबूत बनाने की अपील की।

बैठक के अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सामाजिक न्याय, समानता और संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। सभी के सहयोग एवं सहभागिता से बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बादशाही फीडर की बदहाल व्यवस्था: कलापुर में बिजली बनी 'मेहमान', ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

समाजसेवी जौहर अब्बास

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोंधी शाहगंज विकास खंड के कलापुर गांव में विद्युत आपूर्ति की अनियमित व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। बादशाही फीडर से होने वाली बिजली आपूर्ति इन दिनों लगातार बाधित रहने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में बिजली की कटौती आम बात हो गई है। दिन और रात में कई बार बिना किसी सूचना के आपूर्ति बाधित कर दी जाती है, जिससे घरेलू कार्यों के साथ-साथ खेती-किसानी, विद्यार्थियों की पढ़ाई और छोटे कारोबार प्रभावित हो रहे हैं। भीषण गर्मी में बिजली की आंख-मिचौली लोगों की परेशानी को और बढ़ा रही है।

18 घंटे आपूर्ति के दावों पर उठे सवाल, भीषण गर्मी में अंधेरे और कटौती से बेहाल हैं लोग

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। बार-बार ट्रिपिंग और कम वोल्टेज की समस्या से विद्युत उपकरणों के खराब होने का खतरा भी बना हुआ है।

बादशाही फीडर की अनियमित आपूर्ति से परेशान ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की

गर्मी में बैगर लाइट के ट्यूशन करते छात्र छात्रा एवं भारत के भविष्य।

इस संबंध में उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद ने दूरभाष के माध्यम से संबंधित जेई संजय से बातचीत की। जेई ने क्षेत्र में नियमित विद्युत आपूर्ति होने की बात कही, जबकि ग्रामीणों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि जमीनी स्थिति विभागीय दावों से बिल्कुल अलग है।

गौरतलब है कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा करती है, लेकिन कलापुर के ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें निर्धारित समय के अनुसार बिजली नहीं मिल रही है। इससे विभागीय दावों और वास्तविक स्थिति के बीच अंतर साफ दिखाई दे रहा है।

ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर नियमित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। समाजसेवी जौहर अब्बास, नासिर, कृष्णा मौर्य, मंतोष, विकास गुप्ता, बृजेश राजभर, दिवांशु गौतम, अहमद, तनवीर मेहंदी, राजेन्द्र, अजीज, अब्दुल कलाम और बबलू समेत अनेक ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

इंदौर चिड़ियाघर में जन्मा दुर्लभ सफेद ब्लैकबक, गुलाबी आंखों वाला शावक बना आकर्षण का केंद्र

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तर शक्ति)। कमला नेहरू प्राणि संग्रहालय में इन दिनों एक दुर्लभ हिरण का शावक लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। काले हिरण के ग्रुप में जन्मे इस सफेद रंग के शावक को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग चिड़ियाघर पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि इस हिरण के बच्चे का पूरा शरीर सफेद रंग का है और उसकी आंखें गुलाबी दिखाई देती हैं। इस अनोखे शावक को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक और वन्यजीव प्रेमी चिड़ियाघर पहुंच रहे हैं।

2027 चुनाव जन सेवा दल का बड़ा ऐलान यू पी के सभी सीटों पर लड़ने की तैयारी 40 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी

रेणुकूट ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश चुनाव 2027 विधानसभा को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है इसी क्रम में जन सेवा दल ने उत्तर प्रदेश में सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान करते हुए 40 विधानसभा सीटों पर चिन्हित कर दिया है पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश ठाकुर कपूरी ने पहली सूची जारी करते हुए कहा कि पार्टी प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी पार्टी की ओर से जारी पहली सूची में संगठन के प्रति समर्पित निष्ठावान पदाधिकारी को प्राथमिकता दी गई है जन सेवा दल द्वारा जारी पहली सूची में निम्नलिखित प्रत्याशियों में अभिषेक शर्मा रावटसगंज विधानसभा से चुने गए हैं अभिषेक शर्मा राजनीति में पहली बार पैर रखे हैं रावटसगंज विधानसभा क्षेत्र संख्या 401 अभी से जनसेवा दल द्वारा समय से पहले उठाए गए इस कदम से उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों में तीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट तेज हो गई है विशेष कर अति पिछड़े और अति दलित बाहुल्य सीटों पर अब अन्य प्रमुख दलों को अपनी रणनीतियों में बदलाव करना पड़ सकता है अपना प्रयास तेज कर दिए हैं पार्टी के प्रति समर्पित दिखे जन सेवा दल पार्टी अभिषेक शर्मा को टिकट दिलाने की भरोसा से कार्यकताओं में खुशी की लहर देखी गई है।

उन्नत बीजों के साथ किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स का कदम

हजारीबाग। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स ने रांची में आयोजित कार्यक्रम में किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से नई पीढ़ी के हाइब्रिड बीज, रिसर्च बीज और सब्जियों के बीज लॉन्च किए। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख चैनल पार्टनर उपस्थित रहे।कंपनी ने हाइब्रिड सीड सेगमेंट में धान के लिए श्रीराम 470 और श्रीराम 735 पेश किए, जबकि रिसर्च सीड सेगमेंट में श्रीराम सुपर 7733 और श्रीराम सुपर 7700 को लॉन्च किया। इसके अलावा सब्जी बीज श्रेणी में अर्ली पिकिंग हाइब्रिड टमाटर श्रीराम 2628 भी पेश किया गया, जो बेहतर गुणवत्ता और अच्छी पैदावार देने के लिए विकसित किया गया है। इस मौके पर श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं बिजनेस हेड संजय छाबड़ा ने कहा कि कंपनी किसानों तक आधुनिक बीज, फसल सुरक्षा और पोषण समाधान पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे बेहतर उत्पादन के साथ अपनी खेती को अधिक लाभकारी बना सकें।

ट्रैफिक पुलिस का विशेष अभियान , बिना हेलमेट 1000, हाथ में रखने पर 11,000 का चालान

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। शहर में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान चलाने की तैयारी कर ली है। अभियान के तहत बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने पर 1000 का चालान किया जाएगा, जबकि हेलमेट होने के बावजूद उसे पहनने के बजाय हाथ में रखने पर 11,000 तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। एसपी ट्रैफिक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि हेलमेट केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का साधन है। सोमवार से शहर में विशेष अभियान की शुरूआत की जाएगी। इस दौरान नियमों का पालन न करने वालों वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उद्देश्य के ट्रैफिक विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं में मौत के मामलों में सबसे बड़ी वजह सिर में गंभीर चोट पाई गई है। वर्ष 2025 में दर्ज 662 सड़क दुर्घटनाओं में 342 लोगों की मौत हुई, जिनमें 212 मामलों में कारण हेड इंजरी रही। वहीं, वर्ष 2026 में जनवरी से 31 मई के बीच 476 सड़क हादसे हुए, जिनमें 211 लोगों की मौत हुई। इनमें 119 मामलों में हेड इंजरी को मौत का कारण बताया गया है। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए टीएसआई को अलग-अलग क्षेत्रों का कमांडर बनाया गया है। इन्हें हाईवे और बाहरी इलाकों में निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निर्देश दिए गए हैं कि दोपहिया वाहन चालक और पीछे बैठने वाले दोनों के लिए हेलमेट अनिवार्य रूप से लागू कराया जाए। पहले जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और उसके बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मगरमच्छ के हमले से 13 वर्षीय किशोर की मौत

कुशीनगर (उत्तरशक्ति)। विशुनपुरा थाना क्षेत्र के धोकरहा घाट के पास शाम करीब सात बजे बांसी नदी में जाल लगाते समय 13 वर्षीय किशोर पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। मौजूद मछुआरों ने मगरमच्छ से छुड़ाकर दुदही सीएचसी पहुंचाया। किशोर की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बांसगांव बिंद टोला निवासी पप्पू निषाद का 13 वर्षीय पुत्र पीयूष निषाद शनिवार को शाम करीब सात बजे गांव के अन्य मछुआरों के साथ नदी में जल बिछा रहा था। उसी दौरान बांसी नदी ने पीछे से पीयूष पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर नदी में जाल लगा रहे अन्य मछुआरों ने तत्परता दिखाई और किसी तरह उसे मगरमच्छ से छुड़ाकर बाहर निकाला। सूचना पर आए परिजन घायल पीयूष को दुदही सीएचसी ले गए। हालत गंभीर देख डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर रेफर कर दिया।

आकाशीय बिजली से महिला और बालिका की मौत

चंदौली(उत्तरशक्ति)। चकिया कोतवाली क्षेत्र के धनावल कला गांव स्थित वनवासी बस्ती में शनिवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला और एक किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों तेज आंधी और बारिश के दौरान आम के पेड़ के नीचे शरण लिए हुए थीं। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के अनुसार वाराणसी जिले के गोसाईपुर गांव निवासी राजकुमार वनवासी की पत्नी रूबी (35) अपने रिश्तेदारों के यहां धनावल कला ग्राम पंचायत के राजस्व गांव चुप्पेपुर आई हुई थीं। वहीं चुप्पेपुर निवासी बेचू वनवासी की पुत्री लक्ष्मी (12) शनिवार शाम सिकंदरपुर बाड़ेपर से वापस अपने घर लौट रही थी। शाम के समय अचानक मौसम खराब हो गया और तेज आंधी चलने लगी। रास्ते में आम के पेड़ों से फल गिरते देख लक्ष्मी आम बीनने लगी। इसी दौरान रूबी भी वहां पहुंच गई। कुछ ही देर बाद तेज गर्जना और चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों पास के आम के पेड़ के नीचे खड़ी हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इसी बीच अचानक आकाशीय बिजली पेड़ के पास गिरी, जिसकी चपेट में आने से रूबी और लक्ष्मी गंभीर रूप से झुलस गईं।

माफिया मिटे, अब मोहल्ले के गुंडों की बारी, भौकाल दिखाया तो सीधे हवालात

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में अब अपराधियों के लिए बच निकलने की कोई जगह नहीं होगी। माफिया से लेकर मोहल्लों में दहशत फैलाने वाले गुंडों और सोशल मीडिया पर 'भौकाल' बनाने वाले असामाजिक तत्वों तक, हर स्तर के अपराधी पुलिस की निगरानी में हैं। प्रदेश सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत अब कानून का शिकंजा और अधिक कसा जाएगा। यह स्पष्ट संदेश रविवार को वाराणसी पहुंचे प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने दिया। पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में डीजीपी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस की प्राथमिकता कानून-व्यवस्था को पूरी तरह अपराधमुक्त बनाना, महिलाओं और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, यातायात व्यवस्था को तकनीक से सुदृढ़ करना तथा साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। उन्होंने

दावा किया कि बीते आठ-दस वर्षों में माफियाओं के विरुद्ध हुई कठोर कार्रवाई के परिणामस्वरूप प्रदेश में संगठित अपराध पर प्रभावी अंकुश लगा है और यह अभियान आगे भी बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगा।

डीजीपी ने स्पष्ट किया कि अब केवल बड़े अपराधी ही नहीं, बल्कि गांवों और मोहल्लों में भय का वातावरण बनाने वाले स्थानीय गुंडों और सोशल मीडिया के माध्यम से दबंगई का प्रदर्शन करने वालों की भी पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इंटरनेट मीडिया पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और कानून हाथ में लेने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा।

राजीव कृष्ण ने बताया कि प्रदेश के 20 जिलों में लगभग ढाई महीने पहले 'रिड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन' परियोजना शुरू की गई है। इसके तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और गूगल से प्राप्त ट्रैफिक डेटा का विश्लेषण कर जाम के कारणों की वैज्ञानिक तरीके से पहचान की जा रही है। वाहनों की औसत गति, अधिकतम एवं न्यूनतम यात्रा समय तथा ट्रैफिक घनत्व का लगातार अध्ययन कर सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में करीब 230 ट्रैफिक कॉरिडोर चिन्हित किए गए हैं, जबकि वाराणसी में 11 प्रमुख ट्रैफिक कॉरिडोर और संवेदनशील मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चोक प्वाइंट की पहचान कर वहां सुधारात्मक उपाय लागू किए गए हैं, जिससे यातायात व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है।

डीजीपी ने कहा कि वाराणसी देश की प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। भविष्य में रोपवे जैसी परियोजनाएं यातायात का दबाव कम करेंगी। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल और आधुनिक तकनीक के माध्यम से ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हाल ही में भर्ती हुए 60,244 पुलिसकर्मी जनपदों में पहुंच चुके हैं और उनका प्रशिक्षण जारी है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद इन्हें कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और यातायात प्रबंधन में तैनात किया जाएगा, जिससे पुलिस व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

साइबर अपराध को बड़ी चुनौती बताते हुए डीजीपी ने कहा कि डिजिटल लेन-देन बढ़ने के साथ साइबर ठगी के मामलों में भी वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश पुलिस अब तकनीकी स्तर पर ऐसी व्यवस्था विकसित कर रही है, जिससे शिकायत मिलते ही पीड़ित की रकम बैंक स्तर पर ही रोक दी जाए और धन विदेशों तक न पहुंच सके। विदेशों में बैठे साइबर अपराधियों के खिलाफ भी अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रत्यर्पण प्रक्रिया के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में कथित गबन के मामले पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में डीजीपी ने कहा कि धार्मिक संस्थाओं की अपनी व्यवस्थाएं होती हैं, लेकिन यदि किसी प्रकार की शिकायत पुलिस के पास आती है तो नियमानुसार जांच की जाती है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के सुझाव पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) निष्पक्ष जांच कर रही है और आवश्यक कार्रवाई के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

काशी विश्वनाथ धाम की सुरक्षा व्यवस्था पर डीजीपी ने कहा कि महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की नियमित समीक्षा की जाती है। इसके लिए गठित स्थायी समिति समय-समय पर सुरक्षा मानकों का मूल्यांकन करती है ताकि किसी भी प्रकार की चूक की संभावना न रहे।

कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार पर डीजीपी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल को भारत लाने की प्रक्रिया जारी है और इस पूरे नेटवर्क के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिजली विभाग के साथ सीएम की बैठक कल, 10 फीसदी बिजली बिल के अधिभार पर हो सकता है फैसला

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने मांग की है कि उपभोक्ताओं से हो रही 10 फीसदी ईंधन अधिभार की वसूली तत्काल बंद की जाए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं से अनाधिकृत तौर पर वसूली की जा रही है। क्योंकि नियामक आयोग ने इसे नियमों के विपरीत करार दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजते हुए कहा कि 15 जून को होने वाली समीक्षा बैठक में यह पावर कापोर्रेशन के अधिकारियों से यह भी पूछा जाए कि वे किस नियम के तहत वसूली कर रहे हैं। क्योंकि अभी तक कापोर्रेशन की ओर से नियामक आयोग में वसूली से जुड़े दस्तावेज दाखिल नहीं किया गया है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि ईंधन अधिभार शुल्क वसूली से उपभोक्ताओं में असंतोष है। नियामक आयोग इस मामले में विद्युत निगम से बार-बार आंकड़े और गणना संबंधी दस्तावेज की मांग रहा है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने विद्युत निगम के आदेश को अपने विनियमों के अनुरूप नहीं पाया है। आयोग ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। वह विद्युत निगम से लगातार आंकड़े, गणनाएं और अभिलेख मांग रहा है। आयोग के समक्ष इस वसूली की वैधता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इसके बावजूद उपभोक्ताओं से ईंधन अधिभार शुल्क की वसूली जारी है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने भी कहा है कि उन्हें 10 फीसदी ईंधन अधिभार शुल्क की जानकारी सामाजिक माध्यम से मिली। उनसे इस मसले पर कोई राय नहीं ली गई थी। उपभोक्ता परिषद ने विद्युत निगम की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है। परिषद ने मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने और वसूली पर रोक लगाने की अपील की है।

झूंसी में मादा तेंदुआ और उसके दो शावक दिखने से मचा हड़कंप

झूंसी, प्रयागराज। झूंसी में फिर एक बार तेंदुआ दिखने से हड़कंप मच गया है। इस बार मादा तेंदुआ और उसके दो शावकों की गतिविधि हवेलिया वार्ड में लगे एक सीसीटीवी में कैद हुई। इसके बाद वन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है, साथ ही सर्च आपरेशन चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। लोगों से शाम और रात में बेवजह घर से बाहर निकलने की सलाह दी गई है। झूंसी के हवेलिया वार्ड में मादा तेंदुआ और उसके दो शावक शनिवार की देर रात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। इससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। झूंसी के वार्ड नं 52 हवेलिया क्षेत्र स्थित लक्कड़ बाबा मंदिर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में एक मादा तेंदुआ और उसके दो शावक दिखाई देने की सूचना सामने आने के बाद इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। कैमरे के वीडियो में समय और तारीख भी दिखाई दे रही है। वन

विभाग ने स्थानीय लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है। अपील की है कि अपने सारे कार्य दिन के समय ही निपटाने का प्रयास करें तथा शाम और रात में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। बच्चों को अकेले बाहर न भेजें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें। प्रयागराज के गंगापार क्षेत्र में लगभग छह माह से ग्रामीणों के बीच दहशत का कारण बना तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के लंबे अभियान के बाद पकड़ा गया था। यह तेंदुआ झूंसी, हनुमानगंज, मलखानपुर और आसपास के गांवों में कई बार देखा गया था, जिसके कारण ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। वन विभाग के अनुसार अगस्त 2025 में सबसे पहले हनुमानगंज क्षेत्र के मलखानपुर धनेचा गांव में तेंदुए के देखे जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद कई दिनों तक उसकी तलाश की गई। वन विभाग ने थर्मल ड्रोन, पिंजरे और विशेषज्ञ टीमों की मदद से खोज अभियान चलाया, लेकिन तेंदुआ पकड़ में नहीं आया। इस दौरान तेंदुए के कई बार गांवों के आसपास घूमने और लोगों तथा पशुओं पर हमला करने की घटनाएं सामने आईं। ग्रामीणों ने रात में घरों से निकलना कम कर दिया और खेतों में जाने से भी डरने लगे। वन विभाग ने कई स्थानों पर पिंजरे लगाए और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। आठ जनवरी 2026 को हनुमानगंज क्षेत्र के छिबैया गांव में तेंदुआ एक घर में घुस गया। इससे पहले उसने दो ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। घर के लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और परिवार के अन्य सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और पीएसी की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब नौ से दस घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद तेंदुए को बेहोश कर सुरक्षित पकड़ लिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ पूर्ण विकसित नर था और उसकी उम्र लगभग सात से आठ वर्ष आंकी गई। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली और प्रशासन की कार्रवाई की सराहना की, लेकिन कुछ दिन बाद फिर हरीश चंद्र शोध संस्थान (एचआरआई) कैंपस में तेंदुआ के दिखने से लोग दहशत में रहे।

निमार्णाधीन पुल के पास गड्ढे में गिरी बाइक, युवक की मौत

आजमगढ़। मोहम्मदाबाद गोहना-मुबारकपुर मार्ग पर दरियाबाद स्थित निमार्णाधीन पुल के पास बीती रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। पुल के समीप मिट्टी से बंद किए गए मार्ग पर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार मुबारकपुर थाना क्षेत्र के चकिया गांव निवासी गुलशन कुमार (27) शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे अपनी बाइक से इब्राहीमपुर बाजार की ओर जा रहे थे। बताया जाता है कि वह दरियाबाद स्थित निमार्णाधीन पुल के पश्चिमी छोर पर पहुंचे थे। पुल निर्माण कार्य के चलते दोनों ओर मिट्टी डालकर रास्ता बंद किया गया है। इसी दौरान उनकी बाइक मिट्टी के ढेर से टकरा गई और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाली भूमि में बने नाले के गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। सिपाही नित्यानंद सिंह ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुबारकपुर पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजन घायल युवक को लेकर जिला अस्पताल जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी सांसें थम गईं। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग अस्पताल पहुंच गए।

शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज अब बिक्री के लिए उपलब्ध

पटना। शाओमी इंडिया ने अपनी नई शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज की उपलब्धता की घोषणा की है। यह सीरीज 43, 55, 65 और 75 इंच स्क्रीन साइज में पेश की गई है तथा इसमें फायर टीवी इन-बिल्ट, एडवांस्ड क्यूडी मिनी एलईडी डिस्प्ले टेक्नोलॉजी, शानदार ऑडियो और स्मार्ट फीचर्स दिए गए हैं। कंपनी के अनुसार, क्यूडी मिनी एलईडी टेक्नोलॉजी, 4के अल्ट्रा एचडी रिजॉल्यूशन, एचडीआर10 प्लस और फिल्ममेकर मोड बेहतर पिक्चर क्वालिटी, गहरा कंट्रास्ट और जीवंत रंग प्रदान करते हैं। वहीं डॉलबी ऑडियो, डीटीएस और डीटीएस वर्चुअल एक्स सपोर्ट दर्शकों को इमर्सिव साउंड अनुभव देता है। तेज रफ्तार कंटेंट और गेमिंग के लिए टीवी में एमईएमसी, ऑटो लो लेटेंसी मोड तथा 55, 65 और 75 इंच मॉडल में डीएलजी 120एचजेड सपोर्ट दिया गया है। फायर टीवी और एलेक्सा वॉयस कंट्रोल की मदद से यूजर आसानी से कंटेंट खोज सकते हैं, ऐप्स संचालित कर सकते हैं और स्मार्ट होम डिवाइस नियंत्रित कर सकते हैं। 98 प्रतिशत तक स्क्रीन-टू-बॉडी रेश्यो वाले इस टीवी का डिजाइन आधुनिक और प्रीमियम है। शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज 11 जून 2026 से एमआईडॉटकॉम, अमेजनडॉटइन, शाओमी रिटेल स्टोर और प्रमुख ऑफलाइन पार्टनर आउटलेट्स पर उपलब्ध है। लॉन्च ऑफर के तहत चुनिंदा बैंकिंग पार्टनर्स पर 3,000 रुपये तक का इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट भी दिया जा रहा है।

इंदौर नगर निगम कमिश्नर ने काम के धीमी रफ्तार पर भड़के, एजेंसियों को टर्मिनेशन की चेतावनी

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में मास्टर प्लान की सड़कों का निर्माण समय पर पूरा हो, इसके लिए नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल अब सख्त रुख में नजर आ रहे हैं। स्मार्ट सिटी कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने साफ कहा कि सड़कों के निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इंदौर में मास्टर प्लान की सड़कों का निर्माण समय पर पूरा हो, इसके लिए नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल अब सख्त रुख में नजर आ रहे हैं। स्मार्ट सिटी कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने साफ कहा कि सड़कों के निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धीमी गति से काम करने वाली एजेंसियों और कंसल्टेंट्स को फटकार लगाते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि

तय समय में परिणाम नहीं मिले तो टर्मिनेशन की कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को हुई बैठक में मास्टर प्लान की 33 सड़कों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इनमें विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत स्वीकृत 23 सड़कें और अन्य 10 मास्टर प्लान सड़कें शामिल हैं। कमिश्नर ने एक-एक परियोजना की स्थिति की जानकारी लेते हुए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं मधुमिलन चौराहे से छावनी चौराहे तक सड़क निर्माण तीन महीने में पूरा करने को कहा गया। मालवीय नगर रोड का काम डेढ़ महीने में पूरा करने और मच्छी बाजार रोड पर 30 जून तक ट्रैफिक शुरू कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा जिंसी स्थित लक्ष्मीबाई प्रतिमा से नेमीनाथ जैन मंदिर तक चल रहे विकास कार्यों की प्रगति भी जानी गई।

वसई रेलवे टर्मिनल प्रोजेक्ट का निरीक्षण, यात्री सुविधाओं को मिलेगा बड़ा लाभ

वसई। वसई-विरार क्षेत्र में रेलवे यात्रियों की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किए जा रहे वसई रेलवे टर्मिनल प्रोजेक्ट का निरीक्षण आज पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा और वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किया। इस दौरान परियोजना के प्रगति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न तकनीकी और योजनागत मुद्दों पर चर्चा की गई।

निरीक्षण के दौरान परियोजना की वर्तमान स्थिति, निर्माण कार्यों की गति और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने परियोजना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं और समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की। मौके पर बताया गया कि वसई रेलवे टर्मिनल के पूर्ण होने के बाद स्थानीय तथा लंबी दूरी की रेल सेवाओं को बड़ा समर्थन मिलेगा।

इससे यात्रियों पर पड़ने वाला दबाव कम होगा और क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था अधिक सुगम एवं प्रभावी बनेगी। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह परियोजना भविष्य की परिवहन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वसई-विरार क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और क्षेत्र के लिए एक अहम मील का पत्थर साबित होगी। इस निरीक्षण दौरे में विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, समूह नेता अशोक शेलके, नगरसेविका अपर्णा पाटिल, नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी, नगरसेवक अभय कक्कड़, नगरसेवक विशाल जाधव, वसई ईस्ट साउथ मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।